संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 19,अंक -261 रविवार, 23 जुलाई 2023,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

पूर्व उग्रवादियों के संगठन ने मेतैइयों से मिजोरम छोड़ने को कहा

» मिजोरम ने राज्य छोड़ो की चेतावनी पर मेइतीस की सुरक्षा बढ़ा दी

» मणिपुर और असम से हजारों मेइती मिजोरम में रहते हैं, जिनमें छात्र भी हैं शामिल

मिज़ोरम 22 मई 2023 (ए)। मिज़ोरम में पूर्व उग्रवादियों के एक संगठन ने राज्य में मैतेई लोगों को अपनी सुरक्षा के लिए अपने गृह राज्य में चले जाने के लिए कहा, यह कहते हुए कि मणिपुर में दो महिलाओं की परेड और छेड़छाड़ की घटना पर मिज़ो युवाओं में गुस्सा है।आइजोल में पूर्व उग्रवादियों के संगठन पीस एकॉर्ड एमएनएफ रिटर्नीज एसोसिएशन (पीएएमआरए) ने शुक्रवार को आइजोल से जारी एक बयान में कहा, मिजोरम में स्थिति तनावपूर्ण हो गई है और मणिपुर में उपद्रवियों द्वारा किए गए बर्बर और जघन्य कृत्यों के मद्देनजर मणिपुर के मैतेई लोगों के लिए मिजोरम में रहना अब सुरक्षित नहीं है। बयान में कहा गया है, पीएएमआरए मिजोरम के सभी मैतेई लोगों से अपील करता है कि वे सुरक्षा उपाय के तौर पर अपने गृह राज्य चले जाएं।4 मई को पुरुषों की भीड़ द्वारा मणिपुर की दो महिलाओं को नग्न कर घुमाने का वीडियो बुधवार को सामने आया, जिसके बाद गुरुवार को कथित मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी हुई। इस घटना की देशभर में व्यापक निंदा हुई है।PAMRA के बयान में आगे कहा गया है कि मिज़ो युवा मणिपुर में ज़ो या कुकी जातीय लोगों के खिलाफ ÷मेइतीस के बर्बर और नृशंस कृत्य÷ से नाराज और गहरी पीड़ा में हैं। पीएएमआरए ने आगे चेतावनी दी कि अगर मेइती मिजोरम छोड़ने में विफल रहते हैं तो उन्हें जिम्मेदार ठहराया जाएगा।

महासचिव सी लालथेनलोवा ने स्पष्ट किया कि यह एक सामान्य सुरक्षा अपील थी, कोई आदेश या चेतावनी नहीं, जिसमें मिज़ोरम में मैतेई समुदाय की सुरक्षा के लिए चिंता व्यक्त की गई थी, खासकर छेड़छाड़ की घटना के बाद।लालथेनलोवा ने मीडिया से कहा, ÷हम बस किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए मैतेई लोगों से अपने राज्य में चले जाने की अपील करते हैं। हम उन्हें कोई आदेश नहीं देते हैं।÷मुख्य रूप से मणिपुर और असम के छात्रों सहित हजारों मेइती मिजोरम में रहते हैं।

मिजोरम के गृह आयुक्त और सचिव एच लालेंगमाविया ने आश्वासन दिया कि राज्य सरकार मैतेई लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए लगातार प्रयास कर रही है, जबकि पड़ोसी राज्य में बढ़ते तनाव के कारण पुलिस को भी सतर्क कर दिया गया है।उन्होंने कहा, राज्य सरकार के प्रतिनिधियों ने भी मेटेई संस्था के साथ बैठक की और उन्हें उनकी सुरक्षा का आश्वासन दिया।लालेंगमाविया ने यह भी कहा कि मणिपुर हिंसा से उत्पन्न स्थिति से निपटने के लिए अगले सप्ताह सभी उपायुक्तों के साथ एक आभासी बैठक बुलाई जाएगी।पहले टेलीफोन पर हुई बातचीत में, मुख्यमंत्री ज़ोरमथांगा ने अपने मणिपुर समकक्ष एन बीरेन सिंह को मिजोरम में मेइतीस की सुरक्षा के बारे में आश्वासन भी दिया था।3 मई को अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा देने की मैतेई समुदाय की मांग के विरोध में पहाड़ी जिलों में आदिवासी एकजुटता मार्च आयोजित होने के बाद से अब तक 160 से अधिक लोगों की जान चली गई है और कई अन्य घायल हो गए हैं। मणिपुर की आबादी में मैतेई लोगों की संख्या लगभग 53 प्रतिशत है और वे मुख्य रूप से इम्फाल घाटी में रहते हैं, जबकि नागा और कुकी सहित आदिवासी 40 प्रतिशत हैं और ज्यादातर पहाड़ी जिलों में रहते हैं।PAMRA मिज़ो नेशनल फ्रंट (एमएनएफ) के पूर्व उग्रवादियों का एक गैर-राजनीतिक संगठन है जो मिज़ो शांति समझौते की सभी धाराओं के कार्यान्वयन के लिए काम कर रहा है।

मणिपुर और असम से हजारों मेतैई मिजोरम में रहते हैं, जिनमें छात्र भी हैं शामिल

इस सार्वजनिक अपील के जवाब में, राज्य सरकार ने राज्य में, विशेष रूप से राजधानी शहर आइज़वाल और उसके आसपास रहने वाले मैतेई समुदाय को सुरक्षा कवर प्रदान करने के लिए आवश्यक कार्रवाई शुरू की है।

मिजोरम के गृह आयुक्त और सचिव एच लालेंगमाविया ने पीटीआई को बताया कि राज्य सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए लगातार प्रयास कर रही है कि किसी भी मैतेई व्यक्ति को नुकसान न पहुंचे। मौजूदा तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए पुलिस अलर्ट पर है। सरकारी प्रतिनिधियों ने विश्वास बहाली के उपाय के रूप में और उन्हें उनकी सुरक्षा का आश्वासन देने के लिए मैतेई समुदाय के साथ एक बैठक की। उन्होंने स्थिति का आकलन करने के लिए अगले सप्ताह सभी उपायुक्तों की एक वर्चुअल बैठक बुलाने की भी योजना बनाई है। इससे पहले, मिजोरम के मुख्यमंत्री ज़ोरमथांगा ने टेलीफोन पर बातचीत के दौरान मणिपुर के सीएम एन बीरेन सिंह को मिजोरम में मेइतीस की सुरक्षा का आश्वासन दिया था।

मिजोरम ने राज्य छोड़ो की चेतावनी पर मेइतीस की सुरक्षा बढ़ा दी

मिज़ो नेशनल फ्रंट के पूर्व उग्रवादियों के एक संगठन, पीस एकॉर्ड एमएनएफ रिटर्नीज़ एसोसिएशन (पीएएमआरए) ने मिज़ोरम में रहने वाले मणिपुर के मेइतेई लोगों को अपनी सुरक्षा के हित में राज्य छोड़ने के लिए कहा है। उन्होंने आगे कहा कि मणिपुर में कुकी महिलाओं पर हुए बर्बर और जघन्य अत्याचार को लेकर मिज़ो युवाओं में गुस्सा है, जिसका वीडियो बुधवार को वायरल हो गया।

क्र्र्र द्वारा शुक्रवार को जारी बयान में कहा गया है, ÷मिजोरम में स्थिति तनावपूर्ण हो गई है और मणिपुर में उपद्रवियों द्वारा किए गए बर्बर और जघन्य कृत्यों के मद्देनजर मणिपुर के मैतेई लोगों के लिए मिजोरम में रहना अब सुरक्षित नहीं है। PAMRA मिजोरम के सभी मैतेई लोगों से अपील करता है कि वे सुरक्षा उपाय के रूप में अपने गृह राज्य चले जाएं।÷ इसमें आगे कहा गया है कि मिज़ो युवाओं में मेइती लोगों के प्रति गुस्सा है, जो मणिपुर में ज़ो या कुकी लोगों के खिलाफ मेइती द्वारा किए गए बर्बर और नृशंस कृत्यों पर गहरी पीड़ा से उत्पन्न हुआ है।

एसोसिएशन ने कहा कि यदि मेइती इस अपील को नजरअंदाज करते हैं और मिजोरम नहीं छोड़ते हैं, तो वे अपने साथ होने वाली किसी भी घटना के लिए जिम्मेदार होंगे। इसके महासचिव सी लालथेनलोवा ने कहा कि यह अकेले मणिपुर के मेइतीस की सुरक्षा के लिए एक सामान्य अपील थी और इसे एक आदेश या चेतावनी के रूप में नहीं समझा जाना चाहिए।

मुख्यमंत्री 23 जुलाई को करेंगे युवाओं के साथ भेंट मुलाकात

रायपुर,22 मई 2023 (ए)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल 23 जुलाई को रायपुर के सरदार बलबीर सिंह जुनेजा इनडोर स्टेडियम में दोपहर 12 बजे से युवाओं के साथ भेंट मुलाकात करेंगे। मुख्यमंत्री महात्मा गांधी कला मंदिर भिलाई आयोजित डॉ खूबचंद बघेल जयंती कार्यक्रम में भी शामिल होंगे । जारी दौरा कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल कल 23 जुलाई को 12बजे से दोपहर 2 बजे तक बलबीर सिंह जुनेजा इनडोर स्टेडियम में युवाओं से भेंट मुलाकात करेंगे। मुख्यमंत्री वहां से शंकर नगर स्थित राजीव भवन आएंगे और बैठक में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री संध्या 5 बजे भिलाई सिविक सेंटर जाएंगे और वहाँ मनवा कुर्मी क्षत्रिय समाज द्वारा आयोजित महात्मा गांधी कला मंदिर में 5.30 बजे से डॉ खूबचंद बघेल जयंती कार्यक्रम में शामिल होंगे । मुख्यमंत्री वहां से संध्या 6ः30 बजे रायपुर के लिए प्रस्थान करेंगे।

केरल HC ने अडानी पोर्ट्स को उत्खनन के लिए हरी झंडी दे दी

इन मुद्दों को निर्धारित करने के लिए पंचायत द्वारा एक समिति का गठन अनुचित है,÷ उच्च न्यायालय ने कहा।

अदालत अडानी द्वारा अडानी पोर्ट्स को उत्खनन के लिए लाइसेंस देने के प्रस्ताव में नगरूर ग्राम पंचायत द्वारा लगाई गई चार शर्तों को चुनौती देने वाली याचिका पर विचार कर रही थी।

कोच्चि, 22 मई 2023 (ए)। केरल उच्च न्यायालय ने मैसर्स अदानी विझिंजम पोर्ट प्राइवेट लिमिटेड को दिए गए उत्खनन लाइसेंस पर नगरूर ग्राम पंचायत द्वारा लगाई गई शर्तों को यह देखते हुए रद्द कर दिया है कि राज्य ने विझिंजम बंदरगाह परियोजना के हिस्से के रूप में ऐसी गतिविधियों के लिए अदानी पोर्ट्स को पहले ही मंजूरी दे दी थी।

कोर्ट ने बताया कि राज्य के वैधानिक अधिकारियों ने पहले ही अदानी पोर्ट को उत्खनन के लिए मंजूरी दे दी है, पंचायत के लिए इसमें हस्तक्षेप करना या संबंधित मामलों पर निर्णय लेने के लिए एक समिति का गठन करना अनावश्यक था।

ये सभी मुद्दे विशेष रूप से इस उद्देश्य के लिए नामित वैधानिक अधिकारियों की शक्तियों के अंतर्गत आते हैं। जब राज्य पर्यावरण प्रभाव आकलन प्राधिकरण, खनन और भूविज्ञान निदेशक और जिला कलेक्टर जो जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अध्यक्ष हैं, ने याचिकाकर्ता (अडानी) को मंजूरी दे दी है, तो

अदानी पोर्ट्स को विझिंजम बंदरगाह परियोजना के लिए रियायतग्राही के रूप में चुना गया था, जिसका निर्माण 5 दिसंबर 2015 को शुरू हुआ था।

नगरूर ग्राम पंचायत ने उत्खनन गतिविधियों के लिए कुछ शर्तें लगाने की मांग की थी।

अदालत ने कहा कि राज्य सरकार पहले ही सरकारी जमीन पर उत्खनन गतिविधियों में अडानी को प्राथमिकता दे चुकी है।

उच्च न्यायालय ने निष्कर्ष निकाला कि पंचायत द्वारा निर्धारित शर्तें अत्यधिक मनमानी और अवैध थीं और कानून की जांच में टिक नहीं पाएंगी।

इसलिए, इसने पंचायत के प्रस्ताव को इस हद तक रद्द कर दिया कि इसने अडानी पोर्ट्स को उसकी उत्खनन गतिविधियों के लिए अनुमति देने के लिए शर्तें लगा दी थीं।

सामने आया पाकिस्तानी सीमा हैदर का दुख

बोली-मेरे बारे में एक बार भी किसी ने अच्छा नहीं बोला

बीते हफ्ते एटीएस की पूछताछ के बाद सीमा हैदर और उनके हिंदुस्तानी पति सचिन अपने घर से नहीं निकले हैं...आए दिन उनके घर के बाहर मीडिया की भीड़ देखने को मिलती है जिस कारण अब सीमा हैदर परेशान रहने लगी हैं...इसी बीच सीमा हैदर ने अपना अनुभव दैनिक जागरण के साथ साझा किया है जिसमें उन्होंने अपने मन की बात बताई...

लखनऊ,22 मई 2023 (ए)। पाकिस्तानी नागरिक सीमा हैदर की परेशानियां खत्म होने का नाम नहीं ले रही हैं। यूपी एटीएस समेत अन्य जांच एजेंसियों के रडार पर सीमा हैदर हैं, जिनसे पूछताछ का दौर लगातार चल रहा है। बीते हफ्ते एटीएस की पूछताछ के बाद सीमा हैदर और उनके हिंदुस्तानी पति सचिन अपने घर से नहीं निकले हैं। आए दिन उनके घर के बाहर मीडिया की भीड़ देखने को मिलती है, जिस कारण अब सीमा हैदर परेशान रहने लगी हैं। इसी बीच सीमा हैदर ने अपना अनुभव दैनिक जागरण के साथ साझा किया है, जिसमें उन्होंने अपने मन की बात बताई। सीमा हैदर कहती हैं, 'न्यूज सुनकर टांगों से जान निकल जाती है, ब्लड प्रेशर लो हो जाता है। दुख भी होता है कि क्या सोचा था? क्या हो रहा है? किस तरह लोग गलत बोल रहे हैं, मेरे बारे में एक बार भी किसी ने अच्छा नहीं बोला'। सीमा आगे कहती हैं, 'मुझे नहीं लगता कि मेरे चार बच्चे और मेरे से इंडिया में कोई बोझ बढ़ जाएगा। अगर नागरिकता मिल गई तो अच्छा इंसान बन कर दिखाऊंगी। यहां का जो नमक खाया है, वो हलाली कर के दिखाउंगी'। सीमा के परिजनों ने बताया कि गर्मी की वजह से सीमा की तबीयत बिगड़ी हुई है। स्थानीय डॉक्टरों द्वारा उसका इलाज करवाया जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, डॉक्टरों ने गर्मी के कारण उसका ब्लड प्रेशर डाउन होना बताया है, इसलिए उसे ग्लूकोज चढ़ाया गया है।

पूरा मामला यहां जानें

गौरतलब है कि पाकिस्तान की शादीशुदा महिला सीमा हैदर गुलाम ग्रेटर नोएडा के सचिन मीणा के साथ ऑनलाइन गेमिंग के माध्यम से संपर्क में आई थीं। दोनों एक साथ पब्जी गेम खेलते थे। गेमिंग के दौरान उनके बीच भावनाएं जाग उठीं और नजदीकियां बढ़ गई। सीमा और सचिन ने मिलने के लिए नेपाल को चुना। पाकिस्तानी नागरिक होने के कारण सीमा हैदर को पाकिस्तानी जासूस होने की संभावना जताई जा रही है। इसके पीछे सबसे बड़ी वजह यह मानी जा रही है कि सीमा ने भारत में अवैध तरीके से प्रवेश किया था। इसमें सचिन और उसके परिवार ने भी उसका साथ दिया था। इस मामले में स्थानीय पुलिस ने मामला दर्ज करते हुए सीमा, सचिन और उसके पिता को गिरफ्तार किया था। हालांकि इस समय तीनों जमानत पर बाहर हैं।

मामले की संदिग्धता को देखते हुए यूपी पुलिस ने इसकी जांच एटीएस को सौंपी है। एटीएस ने अपनी जांच में सीमा हैदर के बारे में काफी गहन जांच करके एक ब्रीफ नोट भी जारी किया है। इस ब्रीफ नोट में सीमा के बारे में गहन जानकारियां निकाली हैं, जो कि बेहद सनसनीखेज थे। हालांकि, जांच एजेंसियां सीमा और उसके परिवार पर नजर बनाए हुए हैं। देखना होगा कि अब क्या तथ्य सामने आते हैं।

व्यंग लेखन

अरविन्द द्विवेदी
अनुपपुर,म0प्र0

आत्मविश्वास से लबरेज बड़के भईया की विकास गणित

इन दिनों राजनीतिक उठा-पटक न होने से बड़के भईया खाली थे। ऐसे में जब सरकार ने विकास यात्रा का आयोजन शुरू किया तो उनकी बांछे खिल गई। पहले तो स्वघोषित मा. विकास को लेकर आश्वस्त नहीं थे लेकिन जबसे विकास यात्रा निकली और तमाम संचार माध्यमों में विकास के विज्ञापनों की आंधी आई तो बड़के भईया को भी भरोसा करना पड़ा कि वाकई पिछले कुछ सालों में देश व प्रदेश ने विकास किया है। एक दिन रास्ते में मिल गए, जल्दी में थे तो हमने भी पूछ लिया कि भईया कहां तो वे तमककर बोले कि क्या बताएं आलाकमान ने बड़ी जिम्मेदारी दे दी है कि अफसरों के साथ निकलिए और जनता को बताइए कि विकास कहां-कहां हुआ है। सरकार बेचारी देश का निर्माण भी करे और ऊपर से इस नासमझ जनता को करोड़ों रुपये खर्च कर यह भी बताए कि देख भइये हमने इतना निर्माण कर दिया और तुझे पता ही नहीं है।

मंहगाई का दूसरा नाम ही विकास है

हमने बड़के भईया से जानना चाहा कि विकास कहां-कहां हुआ है तो पोजिशन लेते हुए कहा कि तुम क्या लिखते भर ही हो.! अखबार इत्यादि नहीं बांचते क्या.? नादानों जैसी बातें कर रहे हो, सिर्फ 15 से 20 हजार वाली नौकरी में ही अपना जीवन खपा रहे हो। सरकार कई वर्षों से विकास भी कर रही है और तो और लोगों को पकड़-पकड़ कर विकास के बारे में बता भी रही है और एक आप हैं जिन्हें होश ही नहीं है। बड़के भईया का विकास ज्ञान शुरू हुआ, बोले ÷दो बरस पहले आप कितने का किराना-सब्जी लाते थे.? मैने कहा - यही कोई 200-250 में काम चल जाता था। उन्होने कहा - अब सोचिए आप 1000 रु. तक का किराना सब्जी लेने लगे हैं वह विकास नहीं तो और क्या है। मैने कुड़ते हुए कहा भी कि इसे विकास नहीं मंहगाई कहा जाता है। बड़के भईया बोले - नजरिये का फर्क है आपके लिए जो मंहगाई है वो सरकार के लिए विकास है। देश में सौ और पांच सौ के नोट का फर्क मिट रहा है और आप कह रहे हैं विकास नहीं है। बड़के भईया का यह विकास ज्ञान इन दिनों चर्चा का विषय बना हुआ है।

शासकीय स्कूल में विद्यार्थियो से एडमिशन फीस के अलावा लिया जा रहा है 500 अतिरिक्त फीस

-दुलारे अंसारी-

जांजगीर-चांपा 22 मई 2023 (घटती-घटना)। जांजगीर जिले का एक ऐसा हाई स्कूल है जहा विद्यार्थियों सेअतिरिक्त फीस वसूला जा रहा,आपको बता दे की यह पूरा मामला बलौदा विकासखंड के अंतर्गत आने वाले हाई स्कूल कोसमंदा का है जहां 11वी के विद्यार्थियों से निर्धारित शुल्क से अधिक शुल्क वसूला जा रहा , जिसमे अन्य विद्यालय से प्रवेश लेने आए विद्यार्थी काफी परेशान है, और मजेदार बात यह है की शिक्षकों के द्वारा विद्यार्थियों से लिए गए एडमिशन शुल्क का रसीद भी उन्हें नही दिया गया,साथ ही हमने जब हाई स्कूल में जाकर स्कूल के प्राचार्य से स्कूल के फीस के बारे में पूछे तो उन्होंने लगभग 900 बताया गया,और विद्यार्थियो के द्वारा 1400 बताया जा रहा है,जिसके बाद हमने स्कूल के शाला समिति के अध्यक्ष को इस मामले से अवगत कराए तब उन्होंने ने भी स्कूल जाकर पूछा तो बच्चो ने 1400 रु ही बताए है ,बहरहाल अब देखने वाली बात होगी की इस स्कूल में विद्यार्थियो से 500 रु अधिक क्यों लिया जा रहा है,और अगर ये गलत है तो अतिरिक्त शुल्क लेने वालो शिक्षक पर क्या कार्यवाही हो होंगा यह तो उच्च अधिकारियों के जांच के बाद ही पता चल पाएगा।

क्या कहते है जिला शिक्षा अधिकारी

वही हमने जब जिला शिक्षा अधिकारी हेतराम सोम को कोसमंदा के हाई स्कूल मे कक्षा 11वी के छात्रों से अधिक फीस लिया जा रहा है इस विषय के बारे में बताया गया तो उनके द्वारा आश्वासन दिया गया की ऐसे शिक्षकों के ऊपर कार्यवाही करने की बात कही है।

मुख्यमंत्री के भेंट मुलाकात से नहीं बनेगा युवाओं का भविष्य:प्रदीप

मुख्यमंत्री जी...युवाओं को भेंट मुलाकात नहीं चाहिए रोजगार

» चुनावी वर्ष में युवाओं से भेंट मुलाकात के नाम छत्तीसगढ़ के युवाओं को भ्रमित कर रही है कांग्रेस

-दुलारे अंसारी-

रायपुर 22 मई 2023 (घटती-घटना)। अजीत जोगी युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप साहू ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल जी के द्वारा आगामी 23 जुलाई को प्रदेश में होने वाले युवा भेंट मुलाकात कार्यक्रम पर सवाल खड़ा करते हुए कहा है कि मुख्यमंत्री जी छत्तीसगढ़ के युवाओं को भेंट मुलाकात नहीं रोजगार चाहिए। मुख्यमंत्री श्री बघेल जी युवा भेंट मुलाकात के नाम पर चुनावी वर्ष में युवाओं को याद करते हुए चुनावी लाभ लेना चाहते हैं जो कि छत्तीसगढ़ के युवाओं के साथ एक दिखावा और छलावा मात्र है। उन्होंने कहा कांग्रेस ने अपने जन घोषणा पत्र में सरकार बनने के बाद छत्तीसगढ़ के पंजीकृत लगभग 25 लाख युवाओं को रोजगार देने की बात की थी आज चला चली की बेला में मुख्यमंत्री श्री बघेल को युवाओं की याद आ रही है। प्रदीप साहू ने कहा प्रदेश भर में सरकारी भर्तियों के नाम पर वाहवाही लूटने वाली सरकार की असलियत यह है की शासन स्तर पर विभिन्न विभागों में भर्तियों की अनुमति तो निकाल दिया पर प्रक्रिया को आगे नहीं बढ़ा रहे हैं ना उन पदों की परीक्षा की जा रही है ना ही साक्षात्कार किया जा रहा है। यही कारण है कि प्रदेश के युवा मुखर होकर सरकार का विरोध कर रहे है और मंत्री तक के बंगले का घेराव कर रहे हैं। उन्होंने कहा सरकार ने सभी वर्गों को छलने का काम किया है, ठगने का काम किया है और सरकार की जनविरोधी नीतियों से सबसे ज्यादा प्रताड़ित और प्रभावित छत्तीसगढ़ के युवा हुए है। उन्होंने कहा सरकार में अगर थोड़ी सी भी नैतिकता है तो प्रदेश के विभिन्न विभाग में नौकरी के लिए जो विज्ञापन निकाला गया है उस पर चुनाव के पूर्व तत्काल भर्ती कर युवाओं को नियुक्ति पत्र दिया जाए तब जाकर मुख्यमंत्री जी का भेंट मुलाकात कार्यक्रम सार्थक होगा अन्यथा यह माना जाएगा कि सरकार युवाओं को भेंट मुलाकात के नाम पर गुमराह कर रही है।

संपादकीय

गरी पर बहस हो

ऐसी रिपोर्ट के साथ यह सवाल जुड़ा होता है कि इसे जारी करने का मकसद असल सूरत को सामने लाना है ताकि गरीबी उन्मूलन की दिशा में प्रगति हो सके- या अपनी सफलता का बखान करना?

पिछले हफ्ते संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) ने बहुआयामी गरीबी सूचकांक जारी किया था, जिसमें बताया गया कि इस पैमाने पर भारत में गरीबों की संख्या घटकर 16.4 रह गई है। सोमवार को नीति आयोग ने इसी पैमाने पर अपनी रिपोर्ट जारी की, जिसमें बताया गया कि भारत में 2019-21 में घटकर 14.96 प्रतिशत रह गई है। दोनों रिपोर्टों में बताया गया कि उन्होंने अपनी गणना को राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वे-5 को आधार बनाया गया है। तो आखिर यह अंतर कैसे आ गया? यह अंतर इसलिए आया कि नीति आयोग ने दो नए पैमाने जोड़े। उसने प्रसव के समय मातृ मृत्यु दर और बैंक खातों को भी गरीबी मापने का आधार बनाया। इसके अलावा रसोई गैस की उपलब्धता जैसे आधार का वजन बढ़ा दिया गया। उससे लगभग डेढ़ प्रतिशत का फर्क पड़ गया। यह अंतर ये भी बताता है कि गरीबी मापने में अगर कुछ भी हेरफेर कर दी जाए, तो संख्या में भारी फर्क पड़ सकता है। नीति आयोग की रिपोर्ट के मुताबिक उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, ओडिशा और राजस्थान में गरीबी दर में सबसे तेज कमी देखी गई।

बहुआयामी गरीबी पैमाने पर भारत में 2015-16 में 24.85 प्रतिशत लोग गरीब थे, जो संख्या 2019-21 में 14.96 प्रतिशत हो गई। यानी पांच साल में गरीबी 9.89 प्रतिशत घटी है। यह भी दावा किया गया है कि ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबों की संख्या में सबसे अधिक गिरावट आई है। रिपोर्ट के मुताबिक ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबी ×2.59 प्रतिशत से घटकर 19.28 प्रतिशत हो गई, जबकि शहरी क्षेत्रों में गरीबी 8.65 प्रतिशत से घटकर 5.27 प्रतिशत हो गई। लेकिन ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच असमानताएं बनी हुई हैं। शहरी क्षेत्रों में 5.27 प्रतिशत की तुलना में ग्रामीण आबादी का 19.28 प्रतिशत बहुआयामी रूप से गरीब है। बहरहाल, ऐसी रिपोर्ट के साथ यह सवाल जुड़ा होता है कि इसे जारी करने का मकसद असल सूरत को सामने लाना है ताकि गरीबी उन्मूलन की दिशा में प्रगति हो सके- या अपनी सफलता का बखान करना? खासकर यह सवाल इसलिए बरबस उठ जाता है, जब आंकड़ों से खिलवाड़ होता हुआ नजर आता है।

मणिपुर मामले का आकार-मानसून सत्र लाचार...हंगामे का वार-पलटवार

महिलाओं की सुरक्षा पर राजनीति गरमाई-बात तुम्हारा शासन हमारा शासन पर आई

वैश्विक स्तरपर आदि अनादि काल से भारत अनेक कठिनाइयों विपत्तियों अन्यायों का मुकाबला कर सफ़लता अर्जित की है, जिसके सटीक उदाहरण महाभारत रामायण 200 से अधिक वर्षो की गुलामी से लेकर आजादी के 1947 के दंगों से लेकर ताज हमला संसद हमला से लेकर जेके में आतंकवाद सहित अनेक विपत्तियों से मुकाबला कर विजय का झंडा लहराया है। उसी कड़ी में 20 जुलाई 2023 को सोशल मीडियामें आई दो महिलाओं पर दरिंदगी से पूरा देश शर्मसार महसूस कर रहा है, इसलिए हमें पक्ष विपक्ष जनता जनार्दन शासन-प्रशासन सभी को मिलकर एक मंच से इसका मुकाबला कर सोच विचार आपसी ज्ञान चर्चा कर दोषियों को कड़ी सजा, प्रशासनिक अधिकारियों लापरवाह अधिकारियों जिम्मेदार पदों पर विराजित व्यक्तियों पर कार्यवाही करना लाजमी है, जिससे कि पिछले दो माह से मणिपुर जल रहा था। 4 मई 2023 की घटना को अभी संज्ञान में आना, पीएम के अमेरिका दौरे पर जाते समय दस विपक्षी पार्टियों ने मणिपुर संबंधी दंगे पर मेमोरेंडम देना, केंद्रीय गृह मंत्री द्वारा दो-तीन दिन मणिपुर में रहकर क्या समाधान किए? जैसे मुद्दों पर विचार विमर्श करने की ज़रूरत है. संयोगवश अभी संसद का मानसून सत्र भी 20 जुलाई से 11 अगस्त 2023 तक शुरू है जिसमें सुलभता से चर्चा कर समाधान निकाला जा सकता है। परंतु यह क्या ? दो दिनों से हम मीडिया के माध्यम से टीवी चैनलों पर देख सुन रहे हैं, संसद के अंदर हंगामा जिसमें मणिपुर का मामला, पीएम के बयान की मांग, नियम 267 का नोटिस, मणिपुर पर चर्चा की मांग है तो पक्ष द्वारा संबंधित मंत्रालय के गृहमंत्री के बयान, महत्वपूर्ण बिलों को पास करने जैसे तर्क दे रहा है और संसद के बाहर तुम्हारे शासन और हमारे शासन की बात पर तर्क वितर्क किए जा रहे हैं। हर पक्ष दूसरे पक्ष वाली सरकार शासन में महिलाओं पर अत्याचार की बात कर रहे हैं। 21 जुलाई 2023 को शाम एक पक्ष महिला संसद उनके राज्य में महिलाओं पर हो रहे भारी अत्याचार सुना कर रो पड़ी, जिसे सभी चैनलों द्वारा दिखाएं गया तो दूसरी तरफ 21 जुलाई 2022 को ही विपक्ष शासन राज्य में उनके एक मंत्री द्वारा विधानसभा में अपनी ही सरकार पर महिलाओं की सुरक्षा पर सवाल उठाए तो उन्हें हाईकमान से विचार विमर्श कर तुरंत बर्खास्त कर दिया गया इस संबंध में माननीय सीएम शनिवार 22 जुलाई 2023 को पीसी कर अपना पक्ष रखे हैं।

इसलिए चूंकि महिलाओं की सुरक्षा पर राजनीति गरमाई , बात तुम्हारा शासन हमारा शासन पर आई। इसलिए आज हम मीडिया उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, मणिपुर मामले का आकार, मानसून सत्र लाचार, हंगामे पर वार पलटवार।

साथियों बात अगर हम 17वीं लोकसभा के 12 वें सत्र के दूसरे दिन मणिपुर मामले पर मानसून सत्र में 21 जुलाई 2023 का दिन भी भेंट चढ़ने की करें तो, मानसून सत्र के दूसरे दिन मणिपुर की स्थिति पर विपक्षी सांसदों के हंगामे के बीच लोकसभा की कार्यवाही पहले दोपहर 12 बजे तक, फिर सोमवार 24 जुलाई तक के लिए स्थगित कर दी गई। राज्यसभा की कार्यवाही भी पहले दोपहर 2-30 बजे और फिर 24 जुलाई तक के लिएस्थगित कर दी गई। मानसून सत्र के दूसरे दिन राज्यसभा में भी कोई कामकाज नहीं हो सका। लोकसभा स्थगित, 24 जुलाई, 2023 को पूर्वाह्न 11 बजे फिर से बैठक होगी। विपक्षी सांसदों ने मणिपुर मुद्दे को लेकर हंगामा और नारेबाजी की, विपक्ष की मांग है कि पीएम संसद में मणिपुर की घटना पर बयान दें और इस मुद्दे पर चर्चा के दौरान उपस्थित रहें। मणिपुर मुद्दे पर संसद में हंगामे पर संसदीय कार्य मंत्री ने कहा, दोनों सदनों के अध्यक्ष जब भी निर्देश देंगे हम चर्चा के लिए तैयार हैंकेंद्रीय गृह मंत्री ने आधिकारिक तौर पर लोकसभा के अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति से कहा है कि हम चर्चा के लिए तैयार हैं। विपक्ष के लिए एक को छोड़कर नई मांग करना और चर्चा में बाधा डालना गलत है। महत्वपूर्ण विधेयक हैं और पीएम के नेतृत्व में पक्ष संसद में व्यापक चर्चा करना चाहती है, विपक्ष सिर्फ एक गलत नरेटिव गढ़नेऔर संसद की कार्यवाही को बाधित करने की कोशिश कर रहा है। लोकसभा में विपक्ष के हंगामे के बीच रक्षा मंत्री ने कहा, मणिपुर की घटना निश्चित रूप से बहुत गंभीर है और स्थिति को समझते हुए, पीएम ने खुद कहा है कि मणिपुर में जो हुआ उसने पूरे देश को शर्मसार कर दिया है। पीएम ने कहा है कि घटना पर सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। हम तो यही चाहते हैं, मैंने यह सर्वदलीय बैठक में कहा था और मैं इसे संसद में दोहराता हूं कि हम मणिपुर पर सदन में चर्चा चाहते हैं। लेकिन मैं देख रहा हूं कि कुछ राजनीतिक दल हैं जो अनावश्यक रूप से यहां ऐसी स्थिति पैदा करना चाहते हैं ताकि मणिपुर पर चर्चा ही न हो सके। मैं स्पष्ट रूप से आरोप लगा रहा हूं कि यह विपक्ष मणिपुर पर उतना गंभीर नहीं है जितना उन्हें होना चाहिए। पक्ष ने गुरुवार कोपूर्वोत्तर राज्य में दो महिलाओं को नग्न घुमाने के 4 मई के वीडियो के सामने आने के समय पर सवाल उठाया, सत्तारूढ़ दल ने कहा कि मणिपुर की स्थिति पर चर्चा से हिंसा प्रभावित राज्य के लोगों को सार्थक और सकारात्मक संदेश जाता लेकिन विपक्षी दलों ने ऐसा नहीं होने दिया, क्योंकि उन्हें लगा कि विपक्ष शासित राज्यों में महिलाओं के साथ हुई हिंसा के साथ-साथ पश्चिम बंगाल में पंचायत चुनाव के दौरान हुई हिंसा का मामला भी सामने आ सकता है। विपक्ष संसद ने लोकसभा में स्थगन प्रस्ताव नोटिस देकर मणिपुर की स्थिति पर चर्चा कराने की मांग की है।एके सांसद ने राज्यसभा में नियम 267 के तहत सस्पेंशन ऑफ बिजनेस नोटिस देकर मणिपुर के हालात पर चर्चा कराने की मांग की है। राजद सांसद ने भी राज्यसभा में नियम 267 के तहत सस्पेंशन ऑफ बिजनेस नोटिस दिया है और मणिपुर की स्थिति पर चर्चा की मांग की है।

साथियों नियम 267 क्या है ? जिसके तहत राज्य सभासदस्य देते हैं सस्पेंशन ऑफ बिजनेस नोटिस! राज्यों की परिषद (राज्य सभा) में प्रक्रिया और कार्य संचालन के नियमों के अनुसार, नियम 267 के तहत, कोई भी सदस्य, सभापति की सहमति से, यह प्रस्ताव कर सकता है कि उस दिन की परिषद के समक्ष सूचीबद्ध कार्यों से संबंधित किसी प्रस्ताव पर लागू होने वाले किसी भी नियम को निलंबित किया जा सकता है और यदि प्रस्ताव पारितहो जाता है,तो विचाराधीन नियम को कुछ समय के लिए निलंबित कर दिया जाएगा। एक ओर जहां सत्ता पक्ष महत्वपूर्ण विधेयकों को पारित कराने का प्रयास करेगा, वहीं दूसरी ओर विपक्ष मर्णो पुर हिंसा, रेल सुरक्षा, महंगाई और अडाणी मामले पर जेपीसी गठित करने की मांग सहित अन्य मुद्दों पर सरकार को घेरने की कोशिश करेगा। सरकारी सूत्रों का कहना है कि सत्र में महत्वपूर्ण विधेयक पेश किये जाने हैं, ऐसे में सभी दलों को सत्र चलाने में सहयोग करना चाहिए क्योंकि सरकार नियम व प्रक्रिया के तहत किसी भी विषय पर चर्चा कराने से पीछे नहीं हट रही है. वहीं, हाल में कांग्रेस पार्टी की, संसदीय रणनीति समूह की बैठक में सत्र के दौरान मर्णो पुर हिंसा, रेल सुरक्षा, संघीय ढांचे पर कथित आक्रमण,जीएसटी को पीएमएलए के दायरे में लाने और महंगाई पर चर्चा कराने की मांग उठाने पर जोर देने की बात कही गई थी।

साथियों बात अगर हम एक पक्ष संसद महिला के रोने की करें तो, एक महिला सांसद एक राज्य की महिलाओं की स्थिति बताते टीवी पर भयंकर रो पड़ी और कहने लगी कि मणिपुर देख रहे हो पहले बंगाल को तो देखो ठीक उसीतरह विधानसभा में एक विधायक ने भी यही कहा कि पहले अपने राज्य में देखो, इनको कैसी बातें कर रहे हो कहकर उसे सस्पेंड कर दिया गया यह कैसी राजनीति है।

साथियों बात अगर हम विपक्षी शासित राज्य में सीएम द्वारा अपने मंत्री की बर्खास्तगी की करें तो, मंत्री ने मणिपुर में महिलाओं के साथ हुए अत्याचार के मामलों की तुलना अपने राज्य में महिलाओं पर होने वाली घटना से की थी। उन्होंने विधानसभा सत्र के दौरान कहा कि राज्य में भी महिलाओं के साथ बहुत अत्याचार हो रहा है। सरकार को मणिपुर के बजाय अपने राज्य में महिलाओं के साथ हो रहे अत्याचारों पर ध्यान देना चाहिए। इस बयान के बाद सीए ने उन्हें मंत्रीमंडल से बर्खास्त कर दिया है। महिलाओं की सुरक्षा को लेकर शुक्रवार 21 जुलाई को विधानसभा में अपनी ही सरकार पर सवाल उठाए थे तो उनपर कार्रवाई करते हुए उनकी बर्खास्तगी के लिए राज्यपाल को अनुशंसा की, जिसके बाद उन्हें बर्खास्त कर दिया गया, इस मामले पर मुख्यमंत्री ने प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाई।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन करउसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि मणिपुर मामले का **आकार-मानसून सत्र लाचार -हंगामे का वार-पलटवार महिलाओं की सुरक्षा पर राजनीति गरमाई-बात तुम्हारा शासन हमारा शासन पर आई**।हमारे शासन पर हंगामे से शाब्दिक वार - तुम्हारे शासन पर भी घटनाओं हुई से शाब्दिक पलटवार - ए बाबू ! जनता देख रही है, 2024 में जवाब देने को है तैयार।

एडवोकेट
किशन
सनमुखदास
भावनानी
गोंदिया महाराष्ट्र

दरिंदे एक नही हैं

देख रहे हो भारतवासी!
रूस अमेरिका के प्रवासी
लोक लज्जा और हया को
बेटियों पर हुए क्रूरता को
निर्वस्त्र कराकर घूमा रहे हैं
शासन-प्रशासन केस दबा रहे हैं
लेकिन सत्य हुआ उजागर
निगलने को निष्फल अजगर
एक नही सत्तर दिवस में
घृणित मानसिकता की वश में
जातिवाद की जाल से
दबंगों के दानवी चाल से
लाज गँवाकर जीते जी मर गई है
शासन सजा देने में विफल हुई है
लज्जा खोकर भी जीवित बहने
अरे! किससे वो जाकर कहते
मीडिया वाले मुँह बंद किए हैं
कलम पत्राचार भी लामबंद हुए हैं
जहाँ पुलिस सलामी देती है
वहाँ दरिंदों की गुलामी सेती है
जहाँ नेता-मंत्री मौन हुए हैं
कानूनी राज भी पौन हुए हैं
इस क्रम में दरिंदे एक नही है
कुछ विधानसभा,कुछ संसद में
कुछ धार्मिक उन्मादी का
ध्येय यही है।।

चन्द्रकांत खुटे
जांजगीर-चांपा,छ0ग0

पापड़

खाकर वो पापड़ ले रहे हैं मजे
चटक कर झटके से टूटता पापड़,
एक अलग आनंद,
एक अलग उन्माद,
कर देता है पैदा,
जिसमें ढूंढ लिया जा रहा है
एक अजीब तरह का स्वाद,
कुछ लोग यहीं आनंद ढूंढते हैं,
छेड़छाड़ कुकर्म कर,
लिंचिंग कर,
हत्या कर,
सामूहिक बहिष्कार कर,
जहां पापड़ की तरह टूट जा रही
इंसानों की कुछ जातियां,
सहना पड़ रहा है
दुबले पतले अकेले असक्त होने का दर्द,
हां भयंकर दर्द,
काश मोटे होते पापड़ भी,
अकेला इंसान न रह बन जाता समूह,
एकजुट होकर बन जाता जनसैलाब,
तब न टूटते चटककर,
और स्वाद भी न होता
नमकिनी मिठास लिये।

राजेन्द्र लाहिरी,
पामगढ़, छत्तीसगढ़,

महिला होना गुनाह है क्या...

परमात्मा ने स्त्री और पुरुष इस संसार चक्र को चलाने के लिए बनाए हैं! हमारा समाज पुरुष प्रधान है! मुख्य फैसले पुरुषों द्वारा ही लिए जाते हैं! स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद बेशक हमारी समाज में जागरूकता लाने के कारण तथा महिलाओं को शिक्षा प्राप्त करने के कारण पुरुषों की तरह काम करने की आजादी मिली हुई है! लेकिन इसके बावजूद भी ग्रामीण क्षेत्रों तथा आदिवासी क्षेत्रों में महिलाओं की स्थिति सोचनीय है! हमारे देश में उत्तर पूर्व के एक प्रांत मणिपुर में पिछले 77 दिनों से मैतेई तथा कूका आदिवासियों में हिंसा आगजनी, महिलाओं के साथ दुष्कर्म आदि बातें हो रही है वह देश के लिए चिंता की बात है। अभी 2 दिन पहले सामने आई एक वीडियो ने मानवता को शर्मसार कर दिया है। कहा जाता है यह वीडियो 4 जून 2023 की है। लगभग सौ आंदोलनकारियों ने कुछ महिलाओं को पुलिस कस्टडी में से छुड़वा कर उनमें से कुछ महिलाओं को निर्वस्त्र कर, नंगे पन में उनकी परेड करवाई, उनके प्राइवेट पार्ट्स के साथ छेड़छाड़ की और उनका गैंग रेप किया। बेशक यह घटना काफी पुरानी है इसको लेकर एफ आई आर दर्ज कराई गई लेकिन वीडियो में दिखाए गए किसी अपराधी को गिरफ्तार नहीं किया गया। हालांकि हर द्व.द्व.ह्न. की सूचना एक-दो दिन के बाद केंद्र सरकार के गृह मंत्रालय को दी जाती है। इसका मतलब यह है कि इस किस्म की जो वारदातें मणिपुर में हो रही थी उन सब का पता गृहमंत्री को था। अगर राज्य सरकार ने इनकी सूचना गृह मंत्रालय को नहीं दी तो उनके खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। नंगी स्त्रियों का प्रेड कराया जाना तथा उनका गैंग रेप होने का वीडियो 2 दिन पहले जब वायरल हुआ तो सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस श्री चंद्रचूड़ ने स्वयं इसका संज्ञान लेते हुए राज्य सरकार तथा केंद्र सरकार को दोषियों के खिलाफ क्या कार्रवाई की गई है 28 जुलाई तक सुप्रीम कोर्ट में रिपोर्ट करने के लिए कहा अन्यथा इस मामले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट स्वयं कार्रवाई करेगा। यह वीडियो वायरल होने के बाद सारे देश में क्रोध की आग भड़क उठी। संसद सदन के बाहर प्रधानमंत्री ने कहा कि इस घटना ने उन्हें बहुत क्रोधित और दुखी किया है और देश की 140 करोड़ जनसंख्या को शर्मिंदा किया है। विपक्ष ने भी पिछले 77 दिनों से चल रही मणिपुर की हिंसा को लेकर सरकार की चुप्पी की आलोचना की। जब मणिपुर के मुख्यमंत्री से इसके बारे में बातचीत की गई तो उन्होंने स्वीकार किया कि इस किस्म की सैकड़ों घटनाएं उनके राज्य में होती रहती हैं। यह तो और भी शर्मसार करने वाली बात है। जब कोई सरकार कानून व्यवस्था बना कर नहीं रख सकती, लोगों की जान माल की रक्षा नहीं कर सकती, महिलाओं की अस्मिता की रक्षा नहीं कर सकती तो कुछ सरकार को बर्खास्त करके राष्ट्रपति शासन लागू कर देना चाहिए। संसद के सदन में सारा काम रोककर विपक्ष द्वारा मणिपुर पर बहस ना कराने के लिए 2 दिन तक संसद की कार्रवाई स्थगित करनी पड़ी। इस प्रकार के महिलाओं के खिलाफ जघन्य अपराध के मद्देनजर बाल एवं महिला विकास मंत्री, स्मृति ईरानी का खामोश रहना तथा महिला आयोग का सरकार को कुछ ना कहना तथा प्रधानमंत्री का संसद में कोई बयान ना देना अपराधिक मामला है। मणिपुर की तरह राजस्थान में भी ऐसी घटना हुई है। इससे पहले दिल्ली में निर्भया कांड हो चुका है। प्रेमी द्वारा प्रेमिका के 40 टुकड़े करके फेंकने का मामला भी अभी ताजा-ताजा है। पूछा जा सकता है क्या महिला होना अपराध है। क्या महिला सशक्तिकरण एक ढोंग है। क्या महिला दिवस मनाना एक औपचारिकता मात्र ही है। देश के विभाजन के टाइम हम महिलाओं की अस्मत लुटते हुए सुन चुके हैं और यह सिलसिला अभी जारी है। आखिर कब तक। सचमुच देवी देवताओं के तथा अपने आप को विश्व गुरु कहने वाले भारत के लिए मणिपुर जैसी घटनाओं का होना शर्मसार करने वाला है।

प्रोफेसर शाम लाल कौशल
रोहतक,हरियाणा

जल का तांडव,प्रकृति के इशारों को समझिए

जल के भयानक रौद्र रूप से देश के कई राज्यों को मुसीबत में डाल दिया है। दिल्ली ,गुजरात ,महाराष्ट्र, उत्तरांचल, और उत्तराखंड में मानव अपनी जान बचाने को तरस गया है। जन संख्या में बेतहाशा वृद्धि और जमीन में मकानों के बेतरतीब, अनियंत्रित निर्माण ने ऐसी स्थिति पैदा की हैद्य शहरों में ड्रेनेज सिस्टम बरसों पुराने हैं और अब लगभग असफल हो चुके जिसके फल स्वरूप जल का बहाव अनियंत्रित होकर शहरों के लिए विभीषिका बनकर टूट पड़ा है।देश में लगभग बाढ़ के प्रकोप से 200 जीवन काल कवलित हो गए हैं। हमें कब समझ में आएगा और हम कब अपनी इन हरकतों से बाज आएंगे।

ग्लोबल वार्मिंग तथा अप्राकृतिक उष्णता के अनेक प्रभाव अब धरती, नदियां पहाड़, पेड़ एवं मानव जाति पर बेहद चिंताजनक रूप में दिखाई देने वाला है और निसंदेह यह प्राकृतिक संसाधनों का बेरहमी तथा अप्राकृतिक दोहन के फल स्वरुप होने वाला हैद्य जब हम अपने विकास का इतिहास देखते हैं तो ब्रिटिश सत्ता के दौरान हमारे संसाधनों का प्रकृति का अंधाधुंध दोहन होता रहा है। आजादी हमें मिली है यानी कि मानव को परंतु प्रकृति आजादी से अछूती रही है। अमूमन हमारी जरूरत रोटी, कपड़ा, मकान और जल की थी कि हमको उद्योग धंधे का विकास तीव्र गति से करना पड़ा। मशीनें जितनी बड़ी से बड़ी होती गई आदमी उतना ही बौना होता गया। कृषि में नई नई तकनीक ट्रैक्टर, रसायनिक उर्वरक, कीटनाशकों के प्रयोग से भूमि बंजर होकर कराहने लगी। विकास का सही मायने माननीय शक्तियों के साथ ऊर्जा और उसकी शक्ति तथा सामर्थ्य का सही उपयोग ही होगा। जब से हमने विकास के पथ पर उड़ान भरी है उद्योगों की चिमनी यों को ऊपर उठाया मोबाइल क्रांति का बटन दबाया ई-मेल पर सवार होकर विश्व संदेश को सुना तब से हमारे झरनों का कल कल स्वर और संगीत बंद हो गया, पक्षियों का कलरव बंद हो गया पक्षी अब चीत्कार कर रहे हैं।

नदी नाले सूखकर मृतप्राय हो गए हैं। समुद्र की लहरों की झंकार विलुप्त हो गई है और पानी खारा और खारा हो गया है। अब हमें यह

सोचना है कि विकास के नाम पर हमें ग्रीन इंडिया चाहिए या इंटरनेट की सवारी कर डिजिटल इंडिया चाहिए। बच्चों की झोली में इंटरनेट को डालकर डिजिटल जेनरेशन का सपना देखना चाहिए या प्रकृति की गोद में सुगंधित वायु की लहरों में खो जाना चाहिए। झरनों में बैठकर नौका विहार का आनंद लेना चाहिए या कंप्यूटर में बैठकर नेट खोल कर नन्हे मुन्ने की आंखों पर जोर डालकर उन्हें चश्मा वाला बनाना चाहिए। हरा भरा हिंदुस्तान यानी कि ग्रीन इंडिया और डिजिटल इंडिया का सपना नदी के दो कभी ना मिलने वाले किनारे हैं। विकास के नाम पर असीमित उद्योग धंधों की बाढ़ आ गई है। भूमि समाप्त हो रही है साथ ही हमारी वायु विषैली हो गई है। रात में शहरी मकानों मैं बिजली के झालरों के सामने आकाश में रात्रि के तारों की चमक फीकी पड़ गई है। जंगलों को हम ऐसे साफ करते गए जैसे सड़क पर रोड रोलर चला रहे हैं। नगर बने ,महानगर बने ,मकान बने किंतु अब घर गायब होते गए, हमें तब सुध आई जब चिड़िया चुग गई खेत, हमें विकास के नाम पर मानव सभ्यता से जुड़ी जमीन पानी, हरियाली,पक्षी जानवर सब चाहिए केवल अंधाधुन्ध कंक्रीट का विकास या इंटरनेट की रफ्तार नहीं चाहिए। इसके लिए हमें संसाधनों के अंधाधुंध प्रयोग पर अंकुश लगाना होगा। संसाधनों का इस्तेमाल अतिरेक में नहीं होना चाहिए । महात्मा गांधी ने खुद कहा है कि पृथ्वी पर सभी की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए संसाधन है, किंतु मानव की लालच को पूरा करने का कोई साधन नहीं है। हम प्राकृतिक परियोजना तथा परिस्थितिकी की परियोजनाओं का स्वागत करना होगा सम्मान करना होगा। हमें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सौर, पवन, बायोगैस, ज्वार तरंग लहरों को ऊर्जा का आधार बनाना होगा।

भारत में परिस्थितियां बड़ी विषम है एक तरफ सोडियम लाइट से नहाती दिल्ली ,मुंबई ,बेंगलुरु की रंगीन सड़कें हैं, ऊंची ऊंची इमारतें हैं, तेज गति की मेट्रो है,वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग का लुफ्त उठाते हुए युवक युवतियां है, दूसरी तरफ पसीने से भीगा हुआ किसान हैं। कैरोसिन की चिमनी में बच्चों को कहानी सुनाती माताएं हैं। यानी कि इतनी डिजिटल विषम बताएं भारत के अलावा विश्व के किसी भी कोने में नहीं है। भारत में विकास के नाम पर डिजिटलाइजेशन करने की आवश्यकता जरूर है पर गांव जंगलों नदियों और प्राकृतिक संसाधनों के निरस्तीकरण और विनाश की कीमत पर नहीं। हमें यह साबित करना होगा कि भारत के विकास की हरित क्रांति के साथ-साथ डिजिटल इंडिया भी विकास की गति को बढ़ा रहे हैं। इसमें कोई संदेह नहीं कि भारत कि हरित क्रांति का विकास ही डिजिटल इंडिया का स्वप्न को भी पूरा करेगा। इसके लिए स्वच्छ साफ-सुथरे संसाधन जैसे जल, खनिज, यूरेनियम ,थोरियम नहीं होगा तब तक नाभिकीय रिएक्टर की भट्टीयां कैसे चलेंगी।

किसी कवि ने कहा है,
जो घर बनाओ तो एक पेड़ भी लगा लेना,
पंछी सारे उपवन के चहचहा उठेंगे।

विकास का जो भी रास्ता या नक्शा हम तैयार करेंगे निश्चित तौर पर वह मार्ग हरित क्रांति या हरित विकास से होकर गुजरेगा, जिससे हम अपनी 141 करोड़ जनसंख्या को स्वच्छ वातावरण दे पाएंगे और एक नए भारत की कल्पना को साकार कर पाएंगे।

संजीव ठाकुर,
चौबे कालोनी रायपुर छत्तीसगढ़,

समाज साथ नही देगा,लड़कियों खुद आत्मनिर्भर बनों,आत्मरक्षा करना सीखों

हमारा प्यारा सा देश , जिसका नाम भारत हैं ,जों अपनी सभ्यता , संस्कृति , परंपरा के लिए जाना जाता हैं। पता नही क्या हों गया हमारें भारत देश कों, किसकी नजर लग गई हमारे देश कों। जों अपनी सभ्यता , संस्कृति , परंपरा कों भूलकर विदेशी रंग रूप में रहनें लगें। माँ-बाप सें मिली संस्कार भूल गए । भारत देश में तों स्त्रियों की पूजा जाती थी, और आज मणिपुर में निवस्त्र करके घूमाया हैं। स्त्रियों के साथ ऐसा करना बहुत शर्मनाक हैं, मणिपुर की सरकार , पुलिस , सभी संगठन, समाज के लोगों नें क्यों नही बचाया । आए दिन रेप - बलत्कार किया जा रहा हैं कोई आवाज नही उठा रहा हैं । इस तरह कैसी लड़कियाँ सुरक्षित रहेगी कि भरोसे सें वों बाहर पढ़नें लिखनें जा पाएगी । आज-कल नया तरीका आया हैं प्यार के झासें में फंसाकर लड़कियों कों माँ बनाकर छोड़े देते हैं। प्यार के नाम पर जस्म का सौदा किया जाता हैं। लड़कियाँ भोली भाली होती हैं , प्यार सें कोई बात कर लें तों उन्हें लगता हैं । वों मेरे , मुझे धोखा नही दे सकते हैं। मगर लड़के देते है- प्यार के नाम पर अपने जस्म की भूख कों मिटाते हैं और जब लड़की माँ बनें तों बोलते यें मेरा बच्चा नही हों सकता , कहाँ सें मुख काला करवाई हों। विडियों बनाकर रखते हैं , ब्लाकमेल करते हैं पैसा लेते हैं या उन लड़की सें पैसा कमानें का स्त्रोत बना लेते हैं या मार देते हैं। ऐसा हमारा देश नही था , यें सब क्या होते जा रहा हैं। लड़कियों प्यार के झांसे में मत फंसों, लड़कों कों जाँच लों। परिवार सें बात करें। क्योंकि आपका प्यार आपकों धोखा दे सकता हैं मगर परिवार कभी नही। लड़कियों सबसें पहलें आत्मनिर्भर बनों , आत्मरक्षा करना सीखों और जिदंगी में आगे बढ़ते रहों।

मुस्कान केशरी,
मुजफ्फरपुर बिहार

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी निरीक्षण करने पहुंचे कुन्नी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र

स्वास्थ्य केंद्र में इलाज कराने पहुंचे परिजनों को इलाज और रेफर के लिए डॉक्टर ने सरपंच से लिखाकर लाने को कहा...

मरीज के परिजनों व ग्रामीणों से मांगी माफी

सरपंच के बिना अनुमति रीफर तथा इलाज करने से डॉक्टर ने किया मरीजों को मना

-मनोज कुमार-
लखनपुर, 22 जुलाई 2023 (घटती घटना)।

जिले के लखनपुर विकासखण्ड के ग्राम कुन्नी स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में अजीबोगरीब मामला सामने आया है उपचार कराने पहुंचे मरीज के परिजनों को डॉक्टर के द्वारा इलाज कराने के लिए सरपंच की अनुमति लाने को कहा । वही कुन्नी अस्पताल का औचक निरीक्षण को पहुंचे मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी आर एन गुप्ता से मरीज के परिजनों सहित ग्रामीणों ने इसकी शिकायत कर स्वास्थ्य व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग की है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक लखनपुर विकासखंड के आदिवासी बाहुल्य ग्राम जमदरा में शनिवार की सुबह 10 माह की बच्ची आदिती पिता बाबूलाल यादव ने खेल के दौरान कीटनाशक पदार्थ का सेवन कर लिया। परिजनों के द्वारा उसे उपचार के लिए कुन्नी प्राथमिक स्वास्थ्य में लाया गया। बच्ची की हालत गंभीर होने पर डॉक्टर के द्वारा उसे रेफर करने को लेकर परिजन से सरपंच की अनुमति लाने को कहा। बच्ची के परिजन सरपंच के घर पहुंचे और साथ ही इलाज कराने पहुंचे अन्य परिजनों को भी इसी तरह इलाज के लिए सरपंच मंगल राठिया से अनुमति लाने कहां गया इसके बाद एक के बाद एक मरीज के परिजन सरपंच के घर पहुंचे।और रेफर करने और इलाज कराने को लेकर लिखाकर लाने कहा था जिसके बाद ग्राम सरपंच मंगल के द्वारा मरीज के परिजनों को वापस कुन्नी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया। इसके बाद डॉक्टर के द्वारा मरीज को रेफर किया गया।वही कुन्नी

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र औचक निरीक्षण करने पहुंचे मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ आर एन गुप्ता से सरपंच मंगल राठिया जनपद सदस्य कृष्णा राठिया पूर्व मंडल अध्यक्ष भाजपा भैया लाल साहू सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि व ग्रामीणों ने ने मुलाकात की। इसी दौरान मरीज के परिजन जयसिंह केनापारा तथा अन्य लोगो द्वारा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी से बताया की इलाज कराने कुन्नी अस्पताल पहुंचे थे जहां डॉक्टर के द्वारा सरपंच से लिखित अनुमति लाने की बात कही गई थी जिस पर मुख्य चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी ने उनसे इस मामले को लेकर माफी मांगी और 1 सप्ताह के भीतर स्वास्थ्य व्यवस्था दुरुस्त करने का आश्वासन दिया है। तथा प्रत्येक सप्ताह खंड चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर पी एस मार्को को निरीक्षण करने के भी निर्देश दिए हैं।

पीड़ित परिवार से की मुलाकात,बंधाया ढांढस

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ आरएन गुप्ता ने सर्पदंश 6 वर्ष के बालक की मौत के बाद निरीक्षण में कुन्नी अस्पताल पहुंचे थे इसी दौरान उन्होंने पीड़ित परिवार से मुलाकात करते हुए ढांढस बंधाया इस दौरान मृतक बालक की मां संपत्ति माझी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को बताया कि डॉक्टर के द्वारा इलाज नहीं किया गया बाहर से ही रेफर कर दिया गया था। साथ ही पीड़िता ने कहा कि भविष्य में ऐसी घटना ना हो इसके लिए स्वास्थ्य व्यवस्था दुरुस्त की जाए। जिस पर पीड़िता को पूर्ण विश्वास दिलाते हुए व्यवस्था दुरुस्त कराए जाने का आश्वासन दिया।

क्या कहतें है अधिकारी

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी आर एन गुप्ता ने इस संबंध में कहा कि सर्पदंश से हुए मासूम बच्चे की मौत के बाद वस्तु स्थिति जानने यहां आया हुआ था। व्यवस्था सुधार करने के कड़े निर्देश दिए गए हैं। साथ ही इलाज कराने तथा रिफर के लिए सरपंच की अनुमति लाने के मामले में उन्होंने कहा कि यह काफी दुर्भाग्यपूर्ण है ऐसी परिस्थिति कभी भी नहीं आनी चाहिए सुप्रीम कोर्ट का गाइडलाइन है कि कोई भी मरीज अस्पताल आता है तो पहले उसका उपचार किया जाए ऐसी व्यवस्था कहीं नहीं है कि सरपंच से इलाज कराने के लिए लिखा कर लाना पड़े। भविष्य में ऐसी घटना ना हो इसके लिए कड़े निर्देश डॉक्टर को दिए गए हैं।

स्कूटी व पिकअप से आकर चोरी कर ले गए थे मिक्सर मशीन,तीन गिरफ्तार

अंबिकापुर, 22 जुलाई 2023 (घटती घटना)। 18 जुलाई की रात को शिवधारी कॉलोनी स्थित ठेकेदार के साइड पर खड़े मिक्सर मशीन को अज्ञात व्यक्ति द्वारा चोरी कर लिया गया था। ठेकेदार ने मामले की रिपोर्ट गांधीनगर थाने में दर्ज कराया था। पुलिस अज्ञात के खिलाफ अपराध दर्ज कर विवेचना कर रही थी। इंटीग्रेटेड कंट्रोल रूम के सर्विलेंस सिस्टम का उपयोग कर पुलिस ने 200 से अधिक सीसीटीवी फूटेज खंगाल कर घटना में शामिल तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से चोरी की मिक्सर मशीन व घटना में प्रयुक्त पिकअप व स्कूटी को भी जब्त किया है। पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। जानकारी के अनुसार दीपक लाल अगरिया गोधनपुर स्थित वसुन्धरा रोड का रहने वाला है। वह ठेकेदारी का काम करता है। वह 19 जुलाई की रात को मिक्सर मशीन इंजन सहित शिवधारी कॉलोनी स्थित साइड के पास खड़ा कर दिया था। दूसरे दिन सुबह देखा तो मिक्सर मशीन नहीं थी। दीपक ने मामले की रिपोर्ट गांधीनगर थाने में दर्ज कराया। पुलिस अज्ञात के खिलाफ अपराध दर्ज कर मामले की विवेचना कर रही थी। विवेचना के दौरान संयुक्त पुलिस टीम ने इंटीग्रेटेड कंट्रोल रूम के सर्विलेंस सिस्टम का उपयोग कर 200 से अधिक सीसीटीवी फूटेज चेक किया गया। सीसीटीवी फुटेज में तीन आरोपी घटना में संलिप्त होना पाया गया। 2 आरोपी स्कूटी से एवं 1 आरोपी द्वारा पिकप वाहन से आकर मिक्सर मशीन को चोरी कर ले जाना पाया गया। पुलिस ने पिकअप वाहन महेंद्र गौतम पिता हरि गौतम उम्र 24 वर्ष निवासी रमेशपुर बलंगी जिला बलरामपुर हाल मुकाम पटपरिया गांधीनगर को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो वह अपने दो साथी सौरभ सोनी पिता नरेश सोनी उम्र 27 वर्ष निवासी घुटरापारा एवं विशद पाण्डेय उर्फ़ सोनू आत्मज रामदेव पाण्डेय उम्र 27 वर्ष निवासी दर्रीपारा मणिपुर के साथ मिलकर उक्त मिक्सर मशीन को पिकप से चोरी कर भैयाथान ले जाकर सौरभ सोनी के गांव में रखने की बात स्वीकार की। पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर इनके कब्जे से चोरी की मिक्सर मशीन व घटना में प्रयुक्त स्कूटी व पिकअप को जब्त किया है। पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। कार्रवाई में प्रशिक्षु उप पुलिस अधीक्षक शुभम तिवारी, थाना प्रभारी निरीक्षक जॉन प्रदीप लकड़ा, सहायक उप निरीक्षक विनय सिंह, अनिल सिंह, विवेक पाण्डेय, प्रधान आरक्षक मनोज मालवीय, भोजराज पासवान, मदन गोपाल परिहार, आरक्षक उमाशंकर साहू, अरविन्द उपाध्याय, ऋषभ सिंह, गणेश कदम्ब, विरेन्द्र पैकरा, सत्येन्द्र दुबे, संजीव चौबे, अनिल पैंकरा, घनश्याम देवांगन सैनिक अनिल साहू सक्रिय रहे।

मतदाता जागरूकता-बेटियां अव्वल

-संवाददाता-

सूरजपुर, 22 जुलाई 2023 (घटती घटना)। जिले में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए स्वीप कार्यक्रम के तहत कार्यक्रम के नोडल अधिकारी प्रियंका वर्मा के निर्देशन एवं स्वीप ब्लॉक प्रभारी श्रीकांत पांडेय के दिशा-निर्देशों के अनुरूप विभिन्न स्कूलों में स्वीप कार्यक्रम के तहत अनेक प्रकार के मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कराए जा रहे हैं। विकासखण्ड रामानुजनगर के शा. माध्यमिक शाला पतरापाली में आज बैगलेस डे पर मतदाता जागरूकता पर विभिन्न कार्यक्रम हुये। मतदाता जागरूकता पर निबंध लेखन, पोस्टर, रंगोली एवं नारा प्रतियोगिता कराया गया। सभी प्रतियोगिताओ में बालिकाओं ने बाजी मारी। प्रधानपाठक बी आर हितकर के द्वारा बच्चों को सम्बोधित किया गया। शिक्षक योगेश साहू के द्वारा विद्यार्थियों को वोट के महत्व तथा मतदान प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी गई। विद्यार्थियों से यह भी अपील की जा रही है कि वे इन कार्यक्रमों में जो जानकारी प्राप्त कर रहे हैं, उसे अपने तक सीमित न रखकर अपने पलकों, अभिभावकों और आस-पड़ोस के मतदाताओं को भी दें। वोट करने से लोकतंत्र को मजबूती प्रदान होती है, इसलिए हर मतदाता को मतदान कर भारत को और मजबूत बनाना चाहिए। कार्यक्रम में शिक्षक महेंद्र पटेल, कृष्ण कुमार यादव, अनीता सिंह, योगेश साहू सरिता सिंह, रसोईया एवं छात्र छात्राएं उपस्थित थे।

मणिपुर की घटना के विरोध में महिलाओं ने निकाला कैंडल मार्च

अंबिकापुर,
22 जुलाई 2023 (घटती घटना)।

मणिपुर में पिछले तीन महीने से हो रही हिंसा,महिलाओं को नग्न कर घुमाए जाने और केंद्र सरकार की चुप्पी से उद्वेलित महिलाओं ने कैंडल मार्च निकाल विरोध प्रदर्शन किया। महिला कांग्रेस जिला अध्यक्ष सीमा सोनी की अगुआई में महिलाओं ने कांग्रेस भवन से घड़ी चौक तक कैंडल मार्च निकाला। महिला कांग्रेस अध्यक्ष सीमा सोनी ने कहा कि मणिपुर में महिलाओं के साथ जो अमानवीय व्यवहार हुआ है, उसे सोचकर भी हमारी रूह कांप रही है। अपराधियों को कड़ी से कड़ी सजा देने के बाद भी क्या हम उन महिलाओं की अस्मत लौटा पाएंगे? उन्होंने कहा कि हिंसा का खमियाजा हमेशा महिलाओं को ही क्यों भुगतना पड़ता है? क्या सरकार इसका जवाब देगी। जिला पंचायत अध्यक्ष मधु सिंह ने कहा कि हमने कभी नहीं सोचा था कि 'न्यू इंडिया' में महिलाओं के साथ ऐसा अमानवीय व्यवहार भी हो सकता है। अभी तक मणिपुर में 150 मौतें हो चुकी हैं और 65 हजार से ज्यादा लोग बेघर हो चुके हैं। यह बेहद शर्मनाक है। देश के प्रधानमंत्री व तमाम केंद्रीय मंत्री अगर मणिपुर मुद्दे पर चुप हैं तो वह चाहते हैं कि मणिपुर में हिंसा हो। इस घटना की जिम्मेदारी प्रधानमंत्री को लेनी होगी। विरोध प्रदर्शन में गीता प्रजापति, सरला राय, संध्या रवानी, सावित्री, बेग मति, मीना रजक, गीता प्रजापति, रीता देवी, करिश्मा पैकरा, मनी बाई, सरला राय, विमला रजक, शालिनी नंद, बिंदु, वंदना, गीता रजक, नीलू, नसरीन, शाम परवीन, पुर्णिमा सिंह, फौजिया बाबर, गीता श्रीवास्तव, ग्रेसी, मालती सिंह, पायल अग्रवाल, रेशमी सोनी, नगमा , रुंपा भट्टाचार्य, अनुपमा कवर। ममता सिंह, अंजू चंद्रवंशी, बिना प्रजापति, लक्ष्मी बारी, शकीला परवीन, आरती सिंह, सुनीता एंजेला केरकेट्टा, सोनल सिन्हा,निर्मला केहरी, रूही गजाला,रजनी महंत शामिल थी।

युवा कांग्रेस ने दहन किया पुतला

इधर युवक कांग्रेसियों ने भी मणिपुर की घटना को विरोध किया है। राजीव भवन से मोदी की शवयात्रा निकाल घड़ी चौक पहुचे,वहां केंद्र सरकार और प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।पुतला जलाने के दौरान युवक कांग्रेसियों की पुलिस कर्मियों से झड़प भी हुई। इस मौके पर युवक कांग्रेस जिलाध्यक्ष विकल झा ने कहा कि मणिपुर में महिलाओं के साथ उपद्रवियों ने जो जघन्य अपराध किया है, उससे पूरा देश शर्मसार हुआ है।केंद्र व राज्य की सरकार लगातार उपद्रवियों के आगे नतमस्तक है। जिस कारण ऐसी घटना देखने को मिल रही है। युंका आरटीआई सेल के प्रदेश अध्यक्ष हिमांशु जायसवाल ने कहा कि पीएम मोदी को मणिपुर घटना पर देशवासियों से माफी मांगनी चाहिए। सरकार की कथनी और करनी में जो अंतर है वह मणिपुर में देखने को मिला है।युंका नेता आतिफ रजा ने कहा कि प्रधानमंत्री कानून व्यवस्था मजबूत करने की बात कर रहे हैं जबकि मणिपुर में भाजपा का शासन है। मणिपुर जल रहा है। स्थिति इतनी भयंकर कैसे हो गई इस पर सवाल खड़े हो रहे हैं। प्रधानमंत्री मणिपुर मामले में इतने विलंब से प्रतिक्रिया दे रहे हैं। उन्हें सबसे पहले भाजपा शासित राज्यों को समझाना चाहिए। पुतला दहन में आशीष वर्मा, निक्की खान, रजनिश सिंह, विकास केशरी,राजन सिंह,शंकर लाल,आशीष शील, मिथुन सिंह, सोमा मुखर्जी,ऋषिराज सिंह,संजर नवाज,प्रिंस सोनी,नीलेश कश्यप,काजल गुप्ता,सोनम गुप्ता,आरती सिंह,गौतम गुप्ता, अभिषेक सोनी,रेहान,दीपक यादव,इनायत खान, उमेश्वं,हमीद, आयुष, शैलेंद्र,कृष्णा सिंह,दीपक दुबे, विकास कश्यप ,अफताब सोनू, , लव पैकरा, मुकेश कुमार,ओंकार यादव, सूरज कुशवाहा आशीष, अमित, शिव, प्रकाश, टिंकू,शुभम सरकार,आर्यन चौबे,वसीम अली, गाजी अब्बास,अनुराग नामदेव सहित युवक कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल थे।

ईडी की टीम ने छापेमारी के बाद कपड़ा कारोबारी अशोक अग्रवाल को ले गई साथ

संवाददाता-
अंबिकापुर, 22 जुलाई 2023
(घटती घटना)।

अंबिकापुर. ईडी की 4 सदस्यीय टीम ने अंबिकापुर के कपड़ा कारोबारी के अशोक अग्रवाल व उसके भाई मुकेश अग्रवाल के ठिकाने पर छापेमारी कर अशोक अग्रवाल को साथ ले जाने की खबर है। बताया जा रहा है कि कारोबारी द्वारा शासकीय विभागों में ड्रेस व कपड़े की सप्लाई की जाती है। ईडी को कपड़ा सप्लाई में करोड़ों रुपए की गड़बड़ी की शिकायत मिली थी। अंबिकापुर के बसंतलाल गली मार्ग गद्दीपारा निवासी अशोक अग्रवाल व उसका भाई मुकेश अग्रवाल बड़ा कपड़ा कारोबारी है। उसकी शहर के सदर रोड स्थित कदंबी चौक के पास कपड़े की थोक दुकान है। इनके द्वारा ट्रायबल, शिक्षा विभाग तथा महिला एवं बाल विकास विभाग में कपड़े की सप्लाई की जाती है। इसमें बड़े पैमाने पर रुपयों की हेराफेरी की शिकायत ईडी को मिली थी। इसी कड़ी में दिल्ली से फ्लाइट से गुरुवार को ईडी की टीम रायपुर पहुंची। इसके बाद 4 सदस्यीय टीम सडक़ मार्ग से देर रात 12 बजे अंबिकापुर पहुंची। यहां टीम वीरेंद्र प्रभा होटल में रातभर रुकी। इसके बाद शुक्रवार की सुबह 6 बजे कपड़ा कारोबारी अशोक अग्रवाल के बसंतलाल गली मार्ग स्थित मकान में दबिश दी। घर के मुख्य दरवाजे को अंदर से बंद कर दिए थे। अंदर ईडी की टीम ने कई दस्तावेजों की जांच की वहीं जरूरत के अनुसार परिवार के सदस्यों का भी बयान दर्ज किया गया। रात करीब 9 बजे तक टीम घर के अंदर डटी रही। बताया जा रहा है कि कार्रवाई पूर्ण करने के बाद ईडी की टीम तीन बोरी व एक ब्रिफकेश में दस्तावेज व अन्य सामान ले जाने की बात कही जा रही है। इडी की टीम कपड़ा व्यवसायी के घर पूरे दिन छापेमारी कार्रवाई के बाद शाम 7.17 बजे वापस चली गई थी। इसके बाद पुन- रात करीब 9 बजे टीम वापस आई और कपड़ा व्यवसायी अशोक अग्रवाल को साथ ले जाने की खबर है। वहीं इसका भाई मुकेश अग्रवाल जो कि पहले से ही शहर से बाहर है।

कोरियार कंपनी का फेंचाइजी लेकर लाखों रुपए गबन करने वाला आरोपी गिरफ्तार

अंबिकापुर, 22 जुलाई 2023 (घटती घटना)।

अंबिकापुर. डीटीडीसी कोरियर कंपनी का फ्रेंचाइजी लेकर शहर में कोरियार का काम कर रहा था। इस दौरान 16 अप्रैल 2019 से 1 अक्टूबर 2019 के बीच कुल कंपनी का 15 लाख 57 हजार 328 रुपए का गबन कर लिया था। कंपनी के एरिया मैनेजर की रिपोर्ट पर कोतवाली पुलिस ने मामले की जांच के बाद आरोपी को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार डीटीडीसी कोरियर कंपनी का एरिया मैनेजर कृष्णा भगत ने कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराया था कि तेलीबांधा रायपुर निवासी रवि बजरानी द्वारा कंपनी का प्रेंचाइजी लेकर अंबिकापुर ब्रम्हरोड में कोरियर सेंटर खोला था। 16 अप्रैल 2019 से 1 अक्टूबर 2019 के बीच कुल कंपनी का 15 लाख 57 हजार 328 रुपए का गबन कर लिया था। मैनेजर की रिपोर्ट पर कोतवाली पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज कर मामले की जांच की। जांच में गबन पाए जाने पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल दाखिल कर दिया है। कार्रवाई में थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक राजेश सिंह, उप निरीक्षक अशोक मिश्रा, आरक्षक रुपेश महंत, अमित राजवाड़े, शिव राजवाड़े शामिल रहे।

महिला का आरोप जमीन विवाद के कारण घर में लगा दी गई है आग

अंबिकापुर, 22 जुलाई 2023 (घटती घटना)।

गांधीनगर थाना क्षेत्र में एक महिला के घर के किचन में शुक्रवार की रात आग लग जाने से सामान जलकर खाक हो गया। महिला व उसके परिवार वालों ने जमीन विवाद पर आग लगाए जाने की शिकायत गांधीनगर थाने में की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार जागृति सिंह मरावी गांधीनगर थाना क्षेत्र के सुभाषनगर की रहने वाली है। वह परिवार के 7 सदस्यों के साथ निवास करती है। शुक्रवार की रात परिवार के सभी सदस्य सो रहे थे। रात करीब ढाई से तीन बजे घर से अचानक धुंआ निकलने से सो रहे सदस्यों की दम घुटने लगी। एक-एक कर सभी हड़बड़ाकर बाहर निकले तो देखा की किचन में आग लगी है। परिवार वाले किसी तरह आग बुझाया। शनिवार की सुबह जगृजि सिंह ने परिवार के सदस्यों के साथ गांधीनगर थाना पहुंचकर मामले की शिकायत की। शिकायत में आरोप लगाई है कि जमीन विवाद के कारण आगजनी की घटना को अंजाम दिया गया है। पुलिस हाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

लिसा फ्रैंचेटी अमेरिकी इतिहास में पहली महिला शीर्ष नेवी अधिकारी बनी

वॉशिंगटन । अमेरिकी इतिहास में पहली बार एक महिला शीर्ष नेवी अधिकारी बनी है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने पद के लिए एडमिरल लिसा फ्रैंचेटी को चुना है। रिपोर्ट के अनुसार, फ्रैंचेटी अमेरिकी नौसेना के इतिहास में यह पद संभालने वाली पहली महिला होंगी और इसके अलावा वह संयुक्त चीफ ऑफ स्टाफ में भी पहली महिला होंगी। फ्रैंचेटी को 1985 में कमीशन किया गया था। वह वर्तमान में नौसेना संचालन के उप प्रमुख के रूप में कार्यरत हैं। फ्रैंचेटी की बायोग्राफी के अनुसार, वह अमेरिकी नौसेना बल कोरिया के कमांडर, डेवलपमेंट ऑफ वॉर के लिए नौसेना संचालन के उप प्रमुख और संयुक्त स्टाफ की रणनीति, प्लान और पॉलिसी के निदेशक के रूप में कार्य कर चुकी हैं। उन्होंने दो कैरियर स्ट्राइक ग्रुप की भी कमान संभाली है और सितंबर 2022 में वाइस सीएनओ बनीं। बाइडेन ने कहा, हमारे अगले नौसेना संचालन प्रमुख के रूप में, एडमिरल फ्रैंचेटी एक कमीशन अधिकारी के रूप में हमारे देश में 38 साल की समर्पित सेवा प्रदान करेंगी, जिसमें नौसेना संचालन के उप प्रमुख की उनकी वर्तमान भूमिका भी शामिल है। बाइडेन ने कहा कि वह यूएस फ्लीट फोर्सेज कमांड के डिप्टी कमांडर वाइस एडमिरल जेम्स किल्बी को अगले वाइस सीएनओ के रूप में नामित कर रहे हैं, और यूएस पैसिफिक फ्लीट के कमांडर एडमिरल सैमुअल पापारो को इंडो-पैसिफिक कमांड के कमांडर के रूप में प्रशांत क्षेत्र में अमेरिकी सेना का नेतृत्व करने के लिए नामित कर रहे हैं। फ्रैंचेटी ने अपने पूरे करियर में परिचालन और नीति दोनों क्षेत्रों में व्यापक विशेषज्ञता का प्रदर्शन किया है। वह अमेरिकी नौसेना में फोर-स्टार एडमिरल का पद हासिल करने वाली पहली महिला है। वह नौसेना संचालन प्रमुख और संयुक्त चीफ ऑफ स्टाफ के रूप में सेवा करने वाली पहली महिला के रूप में फिर से इतिहास बनाएगी। अमेरिकी रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन ने नामांकन की सराहना कर कहा कि प्रत्येक एडमिरल यह सुनिश्चित करेगा कि हमारी अमेरिकी नौसेना और इंडो-पैसिफिक में संयुक्त बल अब तक की सबसे बेहतरीन सैन्य शक्ति बनी रहे।

जापान में 4.8 तीव्रता का भूकंप

टोक्यो । जापान के टोक्यो के उत्तर-पूर्व में इबाराकी प्रान्त के कुछ हिस्सों में 4.8 तीव्रता का भूकंप आया, मौसम विभाग ने शनिवार को यह जानकारी दी। एक समाचार एजेंसी ने जापान मौसम विज्ञान एजेंसी (जेएमए) के हवाले से बताया कि भूकंप स्थानीय समयानुसार सुबह 10:52 बजे 50 किमी की गहराई पर आया। इसकी तीव्रता जापान के भूकंपीय तीव्रता पैमाने पर 4 मापी गई। इसका केंद्र इबाराकी से 36.5 डिग्री उत्तर अक्षांश और 140.8 डिग्री पूर्व देशांतर पर था। सुनामी की कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है।

नाटो की बोली को मंजूरी देने से पहले तुर्की करेगा स्वीडन की निगरानी : एर्दोगन

अंकारा । तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन ने कहा है कि उनका देश नाटो की बोली को मंजूरी देने से पहले स्वीडन के आतंकवाद विरोधी कदमों की निगरानी करेगा। सरकारी टीआरटी ब्रॉडकास्टर के अनुसार तुर्की वापस लौटते समय

एर्दोगन ने संवाददाताओं से कहा था कि हम स्वीडन के किये गए वादों पर नज़र रखेंगे और उसके द्वारा उठाए गए कदमों के अनुसार कार्रवाई करेंगे। राष्ट्रपति ने कहा कि यह स्वीडन के हित में होगा अगर वह आतंकवादी संगठनों के खिलाफ लड़ाई और आतंकवादियों के प्रत्यर्पण में ठोस कदम उठाता है। नाटो में शामिल होने के लिए सभी सदस्य देशों के अनुमोदन की आवश्यकता होती है। स्वीडन और फ़िनलैंड ने पिछले साल सैन्य गठबंधन में शामिल होने के लिए आवेदन किया था, लेकिन उन्हें तुर्की की आपत्तियों का सामना करना पड़ा। तुर्की का कहना है कि दोनों देश प्रतिबंधित कुर्दिस्तान वर्कर्स पार्टी और गुलेन आंदोलन के सदस्यों को आश्रय देते हैं। एक समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार अंकारा ने आखिरकार इस साल मार्च में फिनलैंड की नाटो बोली पर अपनी आपत्ति हटा ली। तुर्की सैन्य गठबंधन के शिखर सम्मेलन से ठीक पहले 10 जुलाई को स्वीडन को नाटो में शामिल करने पर सहमत हुआ। तुर्की संसद अक्टूबर में स्वीडन की नाटो सदस्यता पर मतदान करेगी।

टॉप एआई कंपनियों ने व्हाइट हाउस से किया वादा, बाइडेन ने दी जानकारी

वाशिंगटन । ओपन एआई, गूगल की पैरेंट कंपनी अल्फाबेट और मेटा प्लेटफॉर्म्स सहित टॉप एआई कंपनियों ने टेक्नोलॉजी को सुरक्षित बनाने में मदद करने के लिए एआई-जनरेटेड कंटेंट को वॉटरमार्क करने जैसे उपायों को लागू करने के लिए व्हाइट हाउस से वॉलेंटरी कमिटमेंट जताई है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने इसकी जानकारी दी। बाइडेन ने कहा, ये कमिटमेंट एक आशाजनक कदम हैं, लेकिन हमें साथ मिलकर बहुत कुछ करना है। बाइडेन ने डिसरप्टिव मकसद के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के इस्तेमाल की संभावना के बारे में बढ़ती चिंताओं को संबोधित करते हुए कहा, हमें अमेरिकी लोकतंत्र के लिए उभरती टेक्नोलॉजी से खतरों के बारे में स्पष्ट और सतर्क रहना चाहिए। एंथ्रोपिक, इन्फ्लेक्शन, अमेजन और ओपनआई पार्टनर माइक्रोसॉफ्ट जैसी कंपनियों ने सिस्टम को रिलीज करने से पहले उनका पूरी तरह से परीक्षण करने और रिस्क को कम करने और साइबर सिक्योरिटी में निवेश करने के बारे में जानकारी शेयर करने का वचन दिया। इस कदम को टेक्नोलॉजी को रेगुलेट करने के बाइडेन प्रशासन के प्रयास की जीत के रूप में देखा जाता है, जिसने निवेश और कंज्यूमर पॉपुलैरिटी में उछाल का अनुभव किया है। माइक्रोसॉफ्ट ने कहा, हम टेक इंडस्ट्री को एक साथ लाने के लिए ठोस कदम उठाने के लिए राष्ट्रपति के लीडरशिप का स्वागत करते हैं, जो एआई को अधिक सुरक्षित और जनता के लिए अधिक फायदेमंद बनाने में मदद करेगा। जनरेटिव एआई इस साल का बेहद लोकप्रिय हो गया। वहीं दुनिया भर के कानून निर्माताओं ने इस बात पर विचार करना शुरू कर दिया कि राष्ट्रीय सुरक्षा और अर्थव्यवस्था के लिए उभरती टेक्नोलॉजी के खतरों को कैसे कम करे। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस रेगुलेशन से निपटने में अमेरिका यूरोपीय यूनियन से पीछे है। जून में यूरोपीय यूनियन के कानून निर्माता ड्रॉफ्ट रूल्स के एक सेट पर सहमत हुए, जहां चैटजीपीटी जैसे सिस्टम को एआई-जनरेटेड कंटेंट का खुलासा करना होगा। तथाकथित फेक इमेज को वास्तविक से अलग करने में मदद करनी होगी और अवैध कंटेंट के खिलाफ सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करना होगा।

नॉर्थ कोरिया ने दागीं कई क्रूज मिसाइलें

सियोल । नॉर्थ कोरिया ने शनिवार को यलो सी में एक के बाद एक कई क्रूज मिसाइलें दागीं। साउथ कोरिया के चीफ ऑफ स्टाफ ने इसकी पुष्टि की है। रिपोर्ट्स के मुताबिक मिसाइलों का लॉन्च सुबह 4 बजे शुरू हुआ था। इससे दोनों देशों के रिश्तों में तनाव और बढ़ गया है। नॉर्थ कोरिया की तरफ से ये एक्शन तब लिया गया है जब अमेरिका ने बुधवार को अपनी परमाणु पनडुब्बी साउथ कोरिया के पोर्ट पर तैनात की। वहीं, साउथ कोरिया ने कहा है कि वो नॉर्थ कोरिया की हरकतों पर नजर रख रहे हैं। साउथ कोरिया ने ये भी कहा है कि नॉर्थ कोरिया ने परमाणु हमला किया तो किम जोंग उन का शासन खत्म कर दिया जाएगा।

चीन की मदद करने वाला गिरफ्तार

ओटावा । कनाडा ने अपने एक रिटायर्ड पुलिस ऑफिसर को गिरफ्तार किया है। 60 वर्षीय रिटायर्ड पुलिस ऑफिसर पर आरोप है कि वह अवैध तरीके से चीन की मदद कर रहा था। मामले की जांच 2021 में शुरू हुई थी। रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस (आरसीएमपी) ने बताया कि गिरफ्तार पुलिस ऑफिसर का नाम विलियम मैजशर है और वह मूल रूप से हांगकांग का है। मैजशर पर आरोप लगे हैं कि उसने अपनी जानकारी और नेटवर्क का इस्तेमाल कर चीन को फायदा पहुंचाने वाली खुफिया जानकारी इकट्ठा की। पुलिस ने बताया है कि मैजशर के खिलाफ सूचना सुरक्षा कानून और विदेशी संगठन के लिए जासूसी और साजिश रचने के मामलों में केस दर्ज किया गया है। मैजशर की इन संदिग्ध गतिविधियों को लेकर 2021 में जांच बिठाई गई थी। आरोप है कि इस रिटायर्ड ऑफिसर ने कनाडा के कानून के दायरे से बाहर रहे लोगों की पहचान करने और उन्हें डराने और धमकियां देने में भी चीन सरकार की मदद की। इन आरोपों पर जब चीन के दूतावास से संपर्क किया गया तो वहां से कोई जवाब नहीं आया।

रूस के रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी एक वीडियो की एक स्थिर छवि इस छवि में, काला सागर में अभ्यास के दौरान निर्देशित मिसाइल जहाज इवानोवेट्स को रॉकेट दागते हुए दिखाया गया है।

डोनाल्ड ट्रम्प की बढ़ी मुश्किलें, गोपनीय दस्तावेज मामले की सुनवाई फिक्स

वॉशिंगटन। गोपनीय दस्तावेज मामले की सुनवाई फिक्स होने से अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की मुसीबतें अब और बढ़ गई हैं। जानकारी के अनुसार वर्गीकृत दस्तावेज मामले में ट्रम्प का मुकदमा अगले साल 20 मई को शुरू होने वाला है। मामले की देखरेख संघीय न्यायाधीश कर रहा है। संघीय न्यायाधीश ने शुक्रवार को इसकी तारीख मई में तय कर दी है। यह मामला पूर्व राष्ट्रपति पर दर्जनों गोपनीय दस्तावेजों को अवैध तरीके से अपने पास रखने के आरोप से जुड़ा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक न्यायाधीश एलीन एम कैनन ने कहा कि यह मुकदमा मियामी के उत्तर में स्थित एक तटीय शहर फोर्ट पियर्स, फ्लोरिडा में उनके गृह न्यायालय में आयोजित किया जाना था। जानकारी के अनुसार न्यायाधीश कैनन ने इस वर्ष और अगले वर्ष की सुनवाई का एक कैलेंडर भी तैयार किया है, जिसमें मामले संबंधित सुनवाई भी शामिल है। हालांकि शेड्यूलिंग आदेश फोर्ट पियर्स के संघीय न्यायालय में एक विवादास्पद सुनवाई के बाद आया, जहां ट्रम्प के वकील मुकदमे की तारीख को लेकर झगड़ पड़े थे। उनका कहना था कि अधिकांश आपराधिक मामलों की तुलना में इस मामले में कार्यवाही का समय अधिक महत्वपूर्ण है क्योंकि ट्रम्प अब रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद के नामांकन के लिए सबसे आगे हैं और अदालत में रहने के उनके कानूनी दायित्व उनके अभियान कार्यक्रम के साथ जुड़ेंगे। ट्रम्प के मुकदमे के लिए कार्यक्रम निर्धारित करना जज कैनन के लिए मामले में पहला महत्वपूर्ण निर्णय था।

भारत-श्रीलंका का आर्थिक गठजोड़, सांस्कृतिक, ऐतिहासिक, व्यापारिक रूप से कितना होगा महत्वपूर्ण?

नई दिल्ली (एजेंसी)। श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे के साथ अपनी चर्चा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने याद दिलाया कि भारत 2021 में द्वीप राष्ट्र को तबाह करने वाले आर्थिक संकट के पहले प्रतिक्रियाकर्ताओं में से एक था, जबकि उन्होंने कहा कि कोलंबो को तीसरी शक्ति के साथ सहयोग करने से पहले भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा हित को ध्यान में रखना चाहिए। समझा जाता है कि राष्ट्रपति विक्रमसिंघे इस बात पर सहमत हुए कि श्रीलंका भारत की रणनीतिक और सुरक्षा चिंताओं के प्रति संवेदनशील होगा। जैसा कि पीएम मोदी और राष्ट्रपति विक्रमसिंघे ने एक घंटे से अधिक समय तक एक-पर-चर्चा करते हुए दोपहर का लंच किया। यह मानना मुश्किल नहीं है कि चीन को लेकर दोनों के बीच कोई चर्चा नहीं हुई होगी, क्योंकि बीजिंग बेल्ट रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) के तहत कोलंबो को द्वीप राष्ट्र के साथ संलग्न कर रहा है जो वर्तमान में चीनी ऋण के बोझ तले दबा है।

यह 2021 के आर्थिक संकट के दौरान था, जब चीन सहित दुनिया झिझक रही थी, भारत द्वीप राष्ट्र को गहरे राजनीतिक संकट से बाहर निकालने के लिए पूर्ण वित्तीय, खाद्य और तेल सहायता के साथ सामने आया। जबकि पीएम मोदी ने यह बताया कि भारत आर्थिक संकट के समय में श्रीलंका की मदद करने के अपने रास्ते पर कायम रहेगा, दोनों नेताओं ने भविष्य में डिजिटल, तेल, बिजली, सड़क और शायद रेल कनेक्टिविटी पर ध्यान देने के साथ द्विपक्षीय संबंधों पर दीर्घकालिक दृष्टिकोण अपनाने का फैसला किया।

राष्ट्रपति विक्रमसिंघे ही थे जिन्होंने भारत और श्रीलंका के बीच 27 किलोमीटर लंबे संभावित रामेश्वरम-तलाई मन्नार संरेखण पर एक भूमि पुल का सुझाव दिया था, जिसे पीएम मोदी ने तुरंत स्वीकार कर लिया था। पाक जलडमरूमध्य के इस विशेष क्षेत्र में समुद्र की गहराई भी अनुकूल है क्योंकि वहाँ केवल एक से तीन मीटर पानी है और इस क्षेत्र में एक पुल आसानी से बनाया जा सकता है। दोनों देशों ने समुद्री कनेक्टिविटी के हिस्से के रूप में आपसी समझ के साथ कोलंबो, त्रिंकोमाली और कांकेसंथुराई में बंदरगाहों और लॉजिस्टिक बुनियादी ढांचे के विकास में सहयोग करने का निर्णय लिया है। इसके अलावा हवाई कनेक्टिविटी, ऊर्जा और बिजली कनेक्टिविटी के साथ-साथ नवीकरणीय ऊर्जा पर भी समझौता हुआ। जबकि भूमि पुल का प्रस्ताव पहली बार रखा गया था, दोनों देशों को जोड़ने वाले पुल के साथ-साथ तेल, गैस, बिजली पाइपलाइन होने की भी प्रबल संभावना है। दोनों देशों के बीच एक रेलमार्ग पुल बनाने की भी संभावना है क्योंकि जिस तरह तलाई मन्नार श्रीलंका की तरफ है, उसी तरह रामेश्वरम भी रेलमार्ग से जुड़ा है।

कोलंबो और नई दिल्ली स्थित विशेषज्ञों के अनुसार, दोनों देशों को दीर्घकालिक दृष्टिकोण को जमीन पर लागू करने के लिए सावधानी से खेलना होगा क्योंकि चीन की श्रीलंकाई राजनीति में गहरी पैठ है और बीजिंग भारत को द्वीप राष्ट्र के साथ अपनी पिछली स्थिति को फिर से हासिल करने की अनुमति नहीं देने की पूरी कोशिश करेगा।

भारत के चावल निर्यात बैन से अमेरिकी दुकानों में मची लूट

-अमेरिकी भारतीय कर रहे चावल की जमाखोरी

कैलिफोर्निया (एजेंसी)। भारत सरकार की तरफ से चावल के निर्यात को बैन किया है। इस फैसले का प्रभाव हजारों किलोमीटर दूर अमेरिका में बसे भारतीयों पर दिखा। अमेरिकी एनआरआई प्रतिबंध की जानकारी से इतना घबरा गए कि उन्होंने चावल की जमाखोरी शुरू कर दी है। अमेरिका में शॉपिंग मॉल में चावल की लूट मच गई है। भारतीय कई-कई बोरी चावल खरीदकर घर ले जा रहे हैं।

भारत के विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) की तरफ से कहा गया है कि भारत सरकार ने गैर-बासमती सफेद चावल के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया है। विभाग का कहना है कि गैर-बासमती सफेद चावल की निर्यात नीति को प्रतिबंधित कर दिया गया है। हालांकि भारत इस चावल की खेप को कुछ शर्तों के तहत निर्यात करने की अनुमति देगा जैसे कि इस अधिसूचना से पहले जहाज पर इस चावल की लोडिंग शुरू हो गई है।

चावल निर्यात बंद करने के बाद अमेरिका में भारतीय चावल का स्टॉक करने के लिए दौड़ पड़े हैं। अमेरिकी दुकानों पर भारतीय सोना मसूरी चावल की कीमतों में कई गुना इजाफा हो गया है। कुछ दिनों पहले एक रिपोर्ट में भी कहा गया था कि भारत सरकार चावल की अधिकांश किस्मों के निर्यात पर प्रतिबंध लगाने पर विचार कर रही है।

डीजीएफटी की अधिसूचना के बाद पूरी दुनिया के बाजारों में घबराहट की स्थिति है, लेकिन अमेरिका में हालात थोड़े ज्यादा मुश्किल नजर आ रहे हैं। अमेरिका में रह रहे भारतीय, प्रतिबंध खत्म होने तक चावल की बोरियों का स्टॉक करने के लिए भारतीय दुकानों पर पहुंच रहे। इसके बाद कई भारतीय दुकानों पर एक व्यक्ति एक बोरी वाला नियम लागू करना पड़ा। वहीं, कई दुकानों पर कीमतों में 32 डॉलर से 47 डॉलर तक का इजाफा हुआ है। जबकि पहले यह आंकड़ा 22 डॉलर तक ही था।

प्रतिबंध से भारत का करीब 80 फीसदी चावल निर्यात प्रभावित हो सकता है। भारत में चावल की कीमतें कम हो सकती हैं लेकिन दुनियाभर में कीमतों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ने की आशंका है। कुछ दिनों पहले खबर आई थी कि भारत के प्रमुख चावल उत्पादक क्षेत्रों में कम बारिश की वजह से पिछले 10 दिनों में कीमतों में 20 फीसदी तक का इजाफा हुआ है। भारत के फैसले की वजह से वियतनाम से आने वाला चावल भी महंगा हो गया है। इसकी वजह से चावल की कीमतें अमेरिका में इस हफ्ते एक दशक के बाद सबसे अधिक ज्यादा हो गई हैं। व्यापारियों को उम्मीद है कि अगर भारत निर्यात सीमित करेगा तब कीमतें और बढ़ेंगी।

किम राज हो जाएगा समाप्त, दक्षिण कोरिया ने प्योंगयांग को दिया करारा जवाब

- उत्तर कोरिया ने दी थी परमाणु हमले की धमकी

इस्लामाबाद (एजेंसी)। सियोल (ईएमएस)। अपनी हरकतों से सुर्खियों में रहने वाले उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन को दक्षिण कोरिया ने चेतावनी दी है। दक्षिण कोरिया ने चेतावनी देते हुए कहा कि उत्तर कोरिया की ओर से किसी भी परमाणु हमले का मतलब किम जोंग उन के नेतृत्व वाले शासन का अंत होगा। दक्षिण कोरिया सियोल की यह चेतावनी तब आई है जब प्योंगयांग ने कहा था कि यहां अमेरिकी परमाणु-सक्षम पनडुब्बी और अन्य रणनीतिक संपत्तियों की तैनाती उसके परमाणु हथियारों के उपयोग को उकसा रही है। एक न्यूज एजेंसी की की रिपोर्ट के अनुसार उत्तर कोरिया के रक्षा मंत्री कांग सुन-नाम ने पिछले दिन एक तीखे बयान जारी कर दक्षिण कोरिया में 18,750 टन की ओहियो श्रेणी की परमाणु बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बी (एसएसबीएन) यूएसएस केंटकी के आगमन और इस सप्ताह दक्षिण कोरिया-अमेरिका परमाणु सलाहकार समूह (एनसीजी) की उद्घाटन बैठक की आलोचना की थी। जिसके बाद सियोल के रक्षा मंत्रालय ने चेतावनी को फिर से जारी किया। योनहाप समाचार एजेंसी ने सियोल मंत्रालय के हवाले से कहा कि दक्षिण कोरिया-अमेरिका गठबंधन के खिलाफ किसी भी उत्तर कोरियाई परमाणु हमले की स्थिति में, उसे गठबंधन से तत्काल, जबरदस्त और निर्णायक प्रतिक्रिया का सामना करना पड़ेगा और हम फिर से दृढ़ता से चेतावनी देते हैं कि इसके माध्यम से उत्तर कोरियाई शासन का अंत होगा। इसमें यह भी कहा गया कि प्योंगयांग का परमाणु कार्यक्रम और मिसाइल उकसावे संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों और अवैध गतिविधियों' का स्पष्ट उल्लंघन हैं।

पाकिस्तान ने यासीन मलिक की 11 साल की बेटी को बनाया हथियार

-फिर चली नई चाल, पीओके प्रांतीय सभा में दिलाई भावुक करने वाली स्पीच

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान अपनी मानमानी करने के लिए 11 साल की बच्ची को हथियार बनाकर ऐसी चाल चल रहा है जो सफल होने वाली नहीं है। हालिया जानकारी में जम्मू कश्मीर के लिए पाकिस्तान किस हद तक नीचता पर उतर सकता है, इसका नजारा पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) की प्रांतीय सभा में देखने को मिला। यहां पर उसने भारत की जेल में बंद यासीन मलिक की 11 साल की बेटी का इस्तेमाल कर वही बातें कहीं जो वह हमेशा से कहता आया है। मगर कश्मीर के बुद्धिजीवियों और कश्मीर मामलों के जानकारों की मानें तो इसमें पाकिस्तान को कामयाबी नहीं मिल पाएगी। उनका मानना है कि पिछले तीन दशक से पाकिस्तान यही प्रपोगेंडा चला रहा है लेकिन हर बार की तरह इस बार भी वह मुंह के बल गिरेगा। गौरतलब है कि यासीन मलिक को अप्रैल 2019 में भारत की राष्ट्रीय जांच एजेंसी एनआईए ने आतंकवाद विरोधी कानूनों और भारत के खिलाफ युद्ध छेड़ने के तहत गिरफ्तार किया था। उसे साल 2022 में आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी।

पाकिस्तान की शह पर यासीन मलिक की 11 साल की बेटी रजिया सुल्तान ने पीओके एसेंबली में अपने पिता की स्थिति पर लिखा हुआ भाषण पढ़ा था। उसने बड़े ही भावुक अंदाज में भारत सरकार से उसके बीमार पिता से मिलने की अपील की। कश्मीर के पूर्व आतंकी से राजनेता बना 57 साल का यासीन मलिक इस समय भारत की तिहाड़ जेल में बंद हैं। रजिया ने मुजफ्फराबाद में संबोधित करते हुए कहा कि उसका पिता कश्मीर में लड़ाई की नई रोशनी बन चुका है। रजिया के शब्द थे, मेरे पिता कश्मीर के हित लिए नई रोशनी हैं। मुझे उम्मीद है कि मेरे पिता को फर्जी मामले से रिहा कर दिया जाएगा और वह जल्द हमारे बीच होंगे। उसका भाषण टीवी पर टेलीकास्ट किया गया था। उसने कहा, जब मैं अपने पिता से मिली तो मैं केवल दो साल की था। मैं अब 11 साल की हो गयी हूं। मुझे अपने पिता की बहुत याद आती है। मैं उसकी आवाज सुनने के लिए तरस रही हूं।

इस पर लंदन स्थित नेशनल इक्वैलिटी पार्टी जम्मू कश्मीर गिलगित बाल्टिस्तान एंड लद्दाख (जेकेबीजीएल) के मुखिया प्रोफेसर सज्जाद रजा ने अपने ट्विटर हैंडल पर पाकिस्तान की नई असफल साजिश के बारे में विस्तार से लिखा है। सज्जाद रजा लंदन में रहते हैं। रजा ने लिखा, यासीन मलिक की शादी के पीछे यही योजना थी। कश्मीर में 35 लाख से ज्यादा महिलाएं हैं लेकिन मलिक को कोई साथी नहीं मिला और उन्होंने एक पाकिस्तानी महिला से शादी कर ली। उन्होंने आगे लिखा, यह महिला पाकिस्तान की खुफिया एजेंसियों के साथ काम करती है। अब अगले 60-70 सालों तक कश्मीर बनेगा पाकिस्तान के प्रचार को जारी रखने के लिए पाकिस्तान के हाथ में कश्मीर की बेटी मिल गई है। लेकिन वह भी मकबूल बट के बच्चों की विफलता की तरह असफल होगी।

ऐलियन धरती पर आए तो इंसानों का कर देंगे खात्मा

-बर्कले एसईटीआई रिसर्च सेंटर के अध्ययन वर्किंग ग्रुप ने चेताया

इस्लामाबाद (एजेंसी)। वॉशिंगटन (ईएमएस)। या?दि ए?लियन धरती पर आए तो इंसानों का खत्मा हो जाएगा। कुछ इसी तरह की चेतावनी बर्कले एसईटीआई रिसर्च सेंटर से संबद्ध एक स्वदेशी अध्ययन वर्किंग ग्रुप ने दी है। गौरतलब है ?कि दु?निया में ए?लियन को लेकर काफी कुछ ?रिसर्च की जा रही है। साल 2023 में कई बार ऐसे मौके आए हैं, जब एलियन का जिक्र किया गया हो। साल की शुरुआत में अमेरिका के आसमान में चार रहस्यमय चीजें, देखने को मिली थीं। बाद में अमेरिकी राष्ट्रपति के आदेश पर एफ-16 विमानों ने मिसाइल से इन्हें मार गिराया। इसके बाद एक मौका आया जब नेवी के पायलट का यूएफओ कॉन्टैक्ट का लीक फुटेज दिखा। इसके बाद जून में एक स्वतंत्र विश्लेषण से पता चलता है कि अमेरिकी सरकार की एक गुप्त एजेंसी यूएफओ से जुड़ी जानकारी इकट्ठा कर रही है। ए?लियन और इंसानों का आमना सामना होने पर जो प्र?तिक्रिया होगी वह डरावनी होगी। पृथ्वी के बाहर कोई जीवन बैक्टीरिया के रूप में होगा तो वह भी एलियन ही कहलाएगा। लेकिन हम यहां उस अलौकिक जीवन की बात कर रहे हैं, जो इंसानों की ही तरह समझदार होंगे। एक्सपर्ट्स के मुताबिक अगर ऐसा होता है, तो मनुष्यों को ऐतिहासिक बदलाव देखने को मिलेगा।

एलियन जीवन की खोज करने वाले बर्कले एसईटीआई रिसर्च सेंटर से संबद्ध एक स्वदेशी अध्ययन वर्किंग ग्रुप का कहना है कि एलियन से मिलना ठीक वैसे ही होगा, जैसे पहले कुछ इंसानी संस्कृतियां आपस में मिली हैं। उन्होंने कई सदियों पहले इसानी संस्कृति संपर्क का अध्ययन किया। इसमें ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, अफ्रीका और अमेरिका में दो संस्कृतियों के मिलन को देखा गया। जहां कई बार हिंसा हुई और महामारी फैली। अब सबसे बड़ा सवाल है कि आखिर अगर एलियन मिल गए तो संपर्क कौन करेगा। ग्रुप का कहना है कि एलियन से सीधा कॉन्टैक्ट मिलिट्री, कॉर्पोरेट और वैज्ञानिक करेंगे। नासा अंतरिक्ष में सिग्नल भेजता है। इसके अलावा एसईटीआई के वैज्ञानिक टेक्नोलॉजी सिग्नेचर का भी पता लगाते हैं।

ग्रुप के मुताबिक एलियन से मिलने के लिए ज्यादा उत्सुक नहीं होना चाहिए। अगर कोई

सभ्यता अंतरिक्ष से धरती पर आती है तो वह इंसानों से ज्यादा उन्नत होगी। उनका आना खतरनाक हो सकता है।

हालां?कि मनुष्य का ए?लियन से सामना और इसके खतरों को दिखाने के लिए उन्होंने पहली बार औपनिवेशिक संपर्कों का सहारा लिया। ग्रुप का कहना है कि क्रिस्टोफर कोलंबस जब पहली बार यूरोप से अमेरिका गए तो वहां के लोगों को मारा और गुलाम बना लिया। अगर एलियन धरती पर आते हैं तो यहां पर भी कुछ ऐसा ही हो सकता है।

दुर्घटना में व्यक्ति हुआ घायल,इलाज के लिए लाया गया अस्पताल...नहीं थे डॉक्टर,

5 मिनट में आता हूं कहकर डॉक्टर पहुंचे घंटों बाद...व्यक्ति की हुई मौत

नवीन जिले एमसीबी में मुख्य चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी को लोगों ने दौड़ा दौड़ाकर पीटा,भागकर अधिकारी ने बचाई जान

डॉक्टर के देरी से आने की वजह से घायल व्यक्ति की हुई मौत परिजनों ने किया हंगामा

मुख्य चिकित्सा अधिकारी को बर्खास्त करने की परिजन कर रहे मांग

मरीज के मौत के बाद समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र व सिटी कोतवाली मनेंद्रगढ़ में हंगामा

एमसीबी जिले में दो विधायक होने के बावजूद समुदायक स्वास्थ्य केंद्र मनेंद्रगढ़ का बुरा हाल

-रवि सिंह-

एमसीबी 22 जुलाई 2023 (घटती-घटना)। एमसीबी जिले में सरकारी सेवाएं भगवान भरोसे हैं कभी चौकी खाली छोड़ पुलिसकर्मी नदारद रहते हैं, तो कभी अस्पताल छोड़ डॉक्टर नदारद हो जाते हैं, आफत की स्थिति में परेशानी तो लोगों की है, कुछ दिन पहले सरहद पर स्थित कोड़ा चौकी जहां एक भी कर्मचारी नहीं था और चौकी के दरवाजे खुले हुए थे और वहां पर पुलिस के कई महत्वपूर्ण दस्तावेज व सरकारी औजार थे अब ऐसे में चौकी छोड़कर सभी कर्मचारियों का एक साथ नदारद होना बड़ा सवाल था, ऐसा ही अब एक और मामला नवीन जिले के जिला अस्पताल का सामने आया है जहां एक दुर्घटना में घायल व्यक्ति को उसके परिजनों द्वारा अस्पताल लाया गया और वहां पर डॉक्टर नदारद मिले डॉक्टर को फोन किया गया, डॉक्टर कह रहे थे 5 मिनट में आ रहा हूं...5 मिनट कहते-कहते एक घंटा हो गया पर डॉक्टर साहब पहुंच नहीं पाए, तब तक गंभीर अवस्था में घायल व्यक्ति की मौत हो गई और परिजन व्यवस्था पर नाराज हो गए और डॉक्टर को मारने के लिए दौड़ाया,मामला थाने तक पहुंच गया, थाने में डॉक्टर घुस गए जहां पर उन्हें संरक्षण मिल गया पर सवाल यह उठता है क्या यही है शासन की व्यवस्था?

आपको बता दें शुक्रवार की शाम 4.00 बजे मध्य प्रदेश राजनगर स्टेडियम के पास मैजिक वाहन सड़क किनारे लगे पेड़ से टकरा गई जिसमें वाहन चालक गंभीर रूप से घायल हो गया, घायल को मनेंद्रगढ़ समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज के लिए लाया गया लेकिन अस्पताल में मरीज को समय पर इलाज नहीं मिलने के कारण उसकी मौत हो गई, इस घटना से परिजन काफी नाराज हो गए और मनेंद्रगढ़ थाने का घेराव कर दिया, काफी देर तक थाने में हंगामा मचा रहा परिजन थाने में ही बैठ गए, मुख्य चिकित्सा एवम स्वास्थ्य अधिकारी डॉ सुरेश तिवारी का लायसेंस रद्द करने की किए मांग किये और उग्र भीड़ ने उन्हे दौड़ाकर पीटा भी जिस दौरान उपस्थित पुलिस भी मजबूर नजर आई और उग्र भीड़ से बचने डॉक्टर सुरेश तिवारी थाने में घुस गए, तब जाकर उनकी जान बच सकी जो वायरल विडियो देखकर समझा जा सकता है की किस तरह भीड़ डॉक्टर को पीटने के लिए दौड़ा रही है और डॉक्टर भाग रहें हैं।

सीएमएचओ की लापरवाही से गई घायल की जान...अपने आप को बचाने के लिए विभाग के कर्मचारियों को किया आगे

सीएमएचओ यदि समय पर आ जाते तो शायद घायल व्यक्ति की जान बच सकती थी पर उन्होंने मरीज को इंजेक्शन लगा कर 5 मिनट में आ रहा हूं कह के घंटों नहीं पहुंचे, जिसके बाद गंभीर अवस्था में घायल व्यक्ति की जान चली गई, जान जाने से परिजन हुए नाराज और सीएमएचओ को दौड़ा के पिटा और मामला तूल पकड़ लिया, जिसके बाद सीएमएचओ अपने आप को बचाने के लिए अपने ही विभाग के डॉक्टर व कर्मचारियों को आगे करके धरने पर बैठा दिया और पिटाई का विरोध होने लगा,पर वहीं इस बात का जिक्र कहीं नहीं है कि डॉक्टर के समय पर ना पहुंचने से किसी की जान चली गई, इस बात की चिंता ना तो स्वास्थ विभाग के कर्मचारियों को है और ना ही डॉक्टर व अस्पताल के कर्मचारियों को वह तो सिर्फ अपने डॉक्टर की पिटाई को लेकर चिंतित हैं, किसी की जान से बढ़कर डॉक्टर की पिटाई की चिंता ज्यादा दिख रही है विभाग को, उसका क्या जिसकी जान चली गई डॉक्टर के समय पर ना आने से?

सीएमएचओ को बर्खास्त करने की उठ रही मांग, लेकिन निलंबन की अफवाह

मामले को शांत करने के लिए सीएमएचओ को निलंबन करने की बात सामने आ रही है, जिसका ना कोई आदेश है और ना ही कोई प्रमाण पर अधिकारियों के बयान में निलंबन की बात सामने आ रही है, आदेश मांगने पर कोई भी आदेश अभी तक अधिकारियों के द्वारा नहीं दिखाया जा रहा, जबकि लोगों का कहना है कि निलंबन नहीं सीएमएचओ की बर्खास्तगी का आदेश आना चाहिए, निलंबन या बर्खास्तगी जिला स्तर पर नहीं हो सकती इसलिए प्रदेश से इसकी आदेश आने का इंतजार है, यह भी बताया जा रहा है कि स्वास्थ्य मंत्री के द्वारा कार्यवाही करने की बात कह दी गई है पर देखना यह है कि रायपुर से आदेश कब आता है।

घटना जिसके कारण लोग हुए उग्र,डॉक्टर से की मारपीट,किया अस्पताल और पुलिस थाने का घेराव

नारायण पतवार मनेंद्रगढ़ निवासी वाहन चलाने का व्यवसाय करते थे जो शुक्रवार को मनेंद्रगढ़ से टेंट का सामान मध्यप्रदेश राजनगर मधुबन क्लब पहुंचाने गए थे, वहां से वापस लौटते समय राजनगर स्टेडियम के पास सड़क के किनारे लगे पेड़ से वाहन टकरा गई , जिससे वाहन चालक गंभीर रूप से घायल हो गया, घायल को उपचार के लिए मनेंद्रगढ़ समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, लेकिन समय पर इलाज न होने के कारण मरीज की मौत हो गई, इस घटना के बाद गुस्साए परिजन और मुख्य चिकित्सा अधिकारी के बीच झूमा झटकी हुई, परिजन ने डॉक्टर पर पैसे मांगने और लापरवाही का आरोप लगाया, काफी देर तक मनेंद्रगढ़ सामुदायीक स्वास्थ्य केंद्र में हंगामा हुआ, जिसके बाद गुस्साए परिजन ने मनेंद्रगढ़ थाने का घेराव किया और डॉक्टर तिवारी को तत्काल पद से हटाए जाने की मांग की।

परिजनों का डॉक्टर पर आरोप

परिजनों की माने तो मरीज को मनेंद्रगढ़ समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज के लिए लाया गया, जिसके बाद मुख्य चिकित्सा एवम स्वास्थ्य अधिकारी डॉ सुरेश तिवारी को फोन कर सूचना दी गई, डॉक्टर सुरेश तिवारी के द्वारा बोला गया कि मेरे क्लीनिक में 2 मरीज हैं उनको मैं इंजेक्शन लगा कर आता हूं, मुख्य चिकित्सा अधिकारी के द्वारा मृतक के बेटे के साथ मारपीट की गई जिससे उसके नाक में गंभीर चोट आ गई परिजन का आरोप है कि डॉ सुरेश तिवारी के लेट आने के कारण मरीज की मौत हो गई।

एमसीबी जिले में दो विधायक होने के बावजूद समुदायक स्वास्थ्य केंद्र मनेंद्रगढ़ का बुरा हाल

जिले से 2 विधायक आते हैं दोनों ही विधायक कांग्रेस के हैं छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार है स्वास्थ्य मंत्री भी सरगुजा संभाग से आते हैं लेकिन स्वास्थ्य की बात करें तो जिले में ऐसी कोई भी सुविधा नहीं है ना ही सोनोग्राफी की सुविधा है सरकारी हॉस्पिटलों में मरीजों को दवाइयां भी मुहैया नहीं होती है और वही सीएचएमओ डॉ सुरेश तिवारी का खुद बड़ा प्राइवेट क्लीनिक है वहां पर सोनोग्राफी की भी सुविधा है मनेंद्रगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में ऐसा पहले भी हो चुका है कई बार खबर भी प्रकाशित हुई है मरीजों को सही समय पर इलाज ना मिलने के कारण मरीज की मृत्यु हो जाती है ना ही हॉस्पिटल में डॉक्टर रहते हैं और अगर गलती से मिल भी गए तो मरीजों से अच्छे से बात नहीं करते हैं ना सीएचएमओ ही शासकीय अस्पताल को लेकर गंभीर नजर आते हैं। क्या मामले में दोनो विधायक संज्ञान लेंगे और स्वास्थ्य व्यवस्था सुधारने की तरफ ध्यान देंगे,एक विधायक चूंकि खुद डॉक्टर हैं और उसके बाद भी उनके ही जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था का जो हाल सामने आया है वह सोचने पर मजबूर करने वाला है।

मुख्य चिकित्सा एवम स्वास्थ्य अधिकारी का खुद का है क्लिनिक सह निजी अस्पताल,वहीं करते हैं वह मन से इलाज

नवीन जिले में जिन्हें जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था का जिम्मा मिला है वह कहने को शल्य चिकित्सक हैं और वह शासकीय अस्पताल में सेवा देने के साथ ही निजी क्लीनिक सह अस्पताल में भी समय देते हैं,बताया जाता है की वह निजी क्लीनिक में ज्यादा समय देते हैं और गंभीर मरीजों को अपने क्लीनिक ही बुलाते हैं,शल्य चिकित्सा से प्रसव मामले में वह भले ही शल्य क्रिया शासकीय अस्पताल में करें वह मरीज से पैसा निजी सेवा प्रदान करने का लेते हैं,उनका भय भी पूरे स्वास्थ्य महकमे में इतना है वहीं निजी अस्पतालों में की वह मरीज को कहीं भी लेजाकर शल्य चिकित्सा का लाभ प्रदान करने की बात करते हैं और शुल्क खुद वसूलते हैं। शासकीय अस्पताल में वह सेवा देकर भी एक तरह से निजी शुल्क लेना नहीं छोड़ते और यह पूरा जिला जानता है। ऐसे डॉक्टर को जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था का जिम्मा दिया जाना ही सवालों को जन्म देता है जो वेतन तो शासकीय प्राप्त करते हैं लेकिन सेवा का शुक्ल निजी तय करते हैं और मरीजों से लेते हैं।

एसईसीएल कर्मी के घर लाखों की चोरी,क्या एक नाम वाले दो प्रधान आरक्षक सुलझा पाएंगे मामला?

5 दिन बाद भी पुलिस नहीं सुलझा पाई 12 लाख की चोरी का मामल

एक बार फिर पटना थाना क्षेत्र अंतर्गत एक बड़ी चोरी का मामला आया सामने

12 लाख की चोरी मामले को पुलिस के लिए सुलझाना जरूरी, कैसे सुलझेगा मामला?

चोरी के मामले को सुलझाना पुलिस के लिए चुनौती-

इतने बड़े चोरी के मामले को सुलझाना पुलिस के लिए चुनौती, अब सवाल यह है कि पुलिस अधीक्षक कोरिया द्वारा एक अनाधिकृत टीम बनाई गई है जो इस समय काफी सुर्खियों में सारी कार्यवाही उन्हीं के नेतृत्व में हो रही है, एक प्रधान आरक्षक को उसका कप्तान बनाया गया है, जिसे लोग जिले में सुपर कॉप के नाम से जानते हैं इस टीम में एक नाम वाले दो प्रधान आरक्षक हैं और दोनों एक से बढ़कर एक है, सट्टा मामले में खूब नाम कमाया है कार्यवाही तो हुई है पर उगाही में भी नाम आया है, अब इसके बाद यह बड़ी चोरी का मामला सामने आया है जिसे सुपर कॉप कितना जल्दी सुलझाते हैं इस बात का लोगों को इंतजार होगा। अधिकारियों के करीबी माने जाने वाले सुपर कॉप प्रधान आरक्षक इतनी बड़ी चोरी के मामले को कितने दिन में सुलझाते हैं यह देखने वाली बात होगी, सभी की निगाहें सुपर कॉप पर होगी, क्योंकि उन्हीं से लोगों को उम्मीद है, इसके अलावा इस मामले को कोई और नहीं सुलझा पाएगा जैसा माना जा रहा है।

कोलोनीवासियो का आरोप नहीं होती गस्त

कॉलोनी वासियों का कहना है कि पांडवपारा में पुलिस सहायता केंद्र तो है लेकिन पुलिस कभी कॉलोनी में गस्त नही करती नहीं एसईसीएल के गार्ड कभी गस्त करते हैं यही कारण है कि सोमवार की रात चोरों ने मैनेजर के घर से लाखों रुपए का ज्वेलरी सहित नगदी पार कर दिया। जहां कॉलोनी वासियों की आरोप की पुष्टि होती है तो वही पुलिस की पोल खोलती हुई नजर आ रही है।...

-रवि सिंह-

बैकुण्ठपुर 22 जुलाई 2023 (घटती-घटना)। पांडवपारा कॉलरी के ऑफिसर कॉलोनी में 17 जुलाई सोमवार की देर रात चोरों ने एक घर को निशाना बनाया था जहाँ से चोर 35 हजार रुपए नगदी और 12 लाख के सोने-चांदी के जेवरात ले गए उड़े थे। पर घटना के एक सप्ताह बाद भी पुलिस चोरो तक नहीं पहुच पाई, चोर ने मकान के पीछे पक्की दीवार में सेंधमारी करके घर के अंदर पहुंचे और आलमारी का ताला तोड़कर रखे कपड़ो को जद बद फेंका और आलमारी में रखे नगदी राशि सहित जेवरात ले उड़े।

मिली जानकारी के अनुसार पटना थाना क्षेत्र के पांडवपारा सहक्षेत्र झिलमिली खदान में मैनेजर के पद पर कार्यरत संदीप यादव को बीटाइप ऑफिसर कॉलोनी में प्रबंधन द्वारा कमरा दिया गया है जहां घर के पीछे पक्की दीवार में सेंध लगाकर चोर अंदर पहुंचे। वहां से चोर कमरे में रखा आलमारी खोलकर कीमती आभूषण सहित नगदी अपने साथ ले गए। चोरी की वारदात के समय परिजन सोते ही रहे और उन्हें घटना की भनक तक नहीं लगी।एसईसीएल में मैनेजर संदीप यादव के मुताबिक सोमवार की रात रात्रिकालीन ड्यूटी करने अंडर ग्राउंड गए और पत्नी अपने कमरे में सोने चली गई जब सुबह उठी तो देखी की मकान के पीछे तरफ खिड़की के नीचे सेंध लगाकर आलमारी में सोने की ज्वेलरी लगभग 12लाख कीमत के आभूषण सहित अंगूठी,गहना सहित 35 हजार रुपए नगदी चोर ले गए हैं और आलमारी के कपड़े बाहर कमरे में ही अस्त व्यस्त फेंका हुआ।सुबह चोरी की जानकारी होने पर पुलिस को सूचना दी। चोरी के पूरे मामले में एडिशनल एसपी मोनिका ठाकुर सहित पुलिस की पूरी टीम मौके पर पहुंचकर फॉरेंसिक टीम डॉग स्क्वायड की मदद से चोरी की गुत्थी सुलझाने में जुट गई है।

पुलिस ने रिपोर्ट में चोरी हुई रकम और जेवरात की कुल कीमत कम करके दर्ज किया अपराध

मामले में पुलिस अब अपनी साख बचाने में लग गई है , एस ई सी एल कर्मी के घर से नकदी सहित 12 लाख की कुल चोरी हुई है जिसमे जेवरात शामिल है लेकिन पुलिस ने कुल कीमत चोरी गई जेवरात और नकदी की 1 लाख 73 हजार ही रिपोर्ट में दर्ज की है,ऐसा इसलिए किया गया है की पुलिस की साख पर असर न पड़े और पुलिस कम चोरी मामले की विवेचना कर उसे सुलझाने में लगी रहे क्योंकि यदि चोरी की रकम ज्यादा लिखी जाएगी तो तो इससे पुलिस की सीख पर सवालिया निशान लग जायेगा।

सुबह घर पर बिखरा मिला सामान

सुबह बिखरा हुआ सामान देखा तो घर के पीछे गए, जहां दीवार में सेंध लगी थी। पीड़ित संदीप यादव ने पुलिस को सूचना दी। चोरी की सूचना होने पर ग्रामीणों की भीड़ इकट्ठा हो गई।

CMYK

एमसीबी जिले से सामने आया धर्मांतरण का मामला

भय का वातावरण दिखाकर कराया जा रहा था धर्मांतरण

क्या विभाग के सिपाही को बचाने के लिए जिले के पुलिस अधिकारियों ने मुझ से फेसबुक पोस्ट डिलीट करवाया-आकाश दुआ

धर्मांतरण कराने वाला निकला पुलिस विभाग का कर्मचारी

धर्मांतरण मामले में पुलिस अधीक्षक से हुई शिकायत, कार्यवाही करने की हो रही मांग

क्या पुलिस अधीक्षक धर्मांतरण कराने वाले पुलिसकर्मी पर करेंगे कठोर कार्यवाही,या पुलिसकर्मी को देंगे अभयदान ?

-रवि सिंह-

एमसीबी 22 जुलाई 2023, (घटती-घटना)। एमसीबी जिले में धर्मांतरण का मामला सामने आया है जिसमें पुलिस विभाग के एक सिपाही के द्वारा धर्मांतरण किया जा रहा था, जिसका खुलासा भाजपा के एक युवा नेता ने किया, वह खुद वहां पर पीड़ित बनकर पहुंचा और पूरे मामले का वीडियो बना खुलासा किया, पुरे मामले का वीडियो भी बनाए और सोशल मीडिया पर इसे डाला भी था, पर पुलिस कार्यवाही करने के बजाय भाजपा के युवा नेता से वीडियो को डिलीट कर आया, कहा कि सौहार्द बिगड़ेगा आप शिकायत कीजिए कार्यवाही करेंगे पर शिकायत के 12 दिन बाद भी कार्यवाही नहीं हुई जिसके बाद यह मामला फिर से गरमाने लगा है और एक बार फिर युवा नेता ने मीडिया के सामने आकर पूरे बातों को बताया। युवा नेता आकाश दुआ ने कहा की 9 जुलाई को मनेंद्रगढ़ से लगे हुए ग्राम पंचायत भलौर में तथाकथित युवक के द्वारा अपने दो अन्य नाबालिक सहयोगियों के साथ धर्मांतरण करने के लिए लोगों को बरगलाया जा रहा था, इस बात की मुझे जानकारी मिलते ही मैं अपने साथियों के साथ मौके पर पहुंचा और मैंने देखा कि वहां पर एक युवक जो अपना नाम विमल तिर्की बता रहा था, उसने वहां पर ईसाई धर्म से जुड़ी पुस्तकों को लेकर चित्रों के माध्यम से कई सारी प्राकृतिक आपदाओं, महामारियों, फसल नष्ट हो व घर में किसी की मृत्यु हो जाने जैसे भय दिखाकर और उससे बचने के लिए उन्हें अपने चैनपुर स्थित चर्च में बुलाकर वहां पर प्रार्थना करने से व वहां पर मिलने वाले रोटी व अंगूर का रस पीने से आपकी सारी परेशानी दुख कष्ट और आपदाएं जो आप पर आने वाली है वह सभी परमेश्वर है वह ठीक कर देगा, इस तरीके की तमाम बातें उसके द्वारा कहीं जा रही थी जब मैंने उसके इस सभी बातों का वीडियो बनाकर फेसबुक पर अपलोड किया जो सभी जगह वायरल हो गई अतः स्थानीय पुलिस व अधिकारियों ने मुझे बुला कर फेसबुक पोस्ट को डिलीट करने को कहा और मुझे आश्वासन देते हुए कहा गया कि लिखित में शिकायत दर्ज कराने पर जल्द से जल्द कार्रवाई की जाएगी, मैंने लिखित शिकायत 13 जुलाई को एसपी एमसीबी को दे दी। उसके बाद जब मैंने अपने स्तर पर उस युवक के बारे में छानबीन करने का प्रयास किया तब मैंने पाया कि वह युवक लगातार धर्मांतरण के कार्य में संलग्न है लगातार आस-पास ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर लोगों को धर्मांतरण के लिए बरगला रहा है अत जब मैंने और उसके बारे में पता किया तब मैंने पाया कि वह युवक पुलिस विभाग में सिपाही के पदस्थ है, उसके बाद सारा मामला साफ है कि अपने विभाग के सिपाही को बचाने के लिए जिले के आला पुलिस के अधिकारियों ने मुझ से फेसबुक पोस्ट को दबाव पूर्वक डिलीट करवाया अगर उन्हें इस बात की जानकारी थी कि युवक उनके ही विभाग से है फिर भी किसी भी तरीके की कोई भी कारवाई अब तक नहीं हुई है ,मामले की शिकायत को 10 दिन बितने बाद भी कोई कार्यवाही नहीं हुई है ,मैं जिस तरह से युवक को पुलिस प्रशासन बचाने का प्रयास जो कर रही है उस की निंदा करता हूं वह मेरी स्थानीय पुलिस के अधिकारियों और प्रदेश के आला अधिकारियों से गुजारिश है कि वह आरोपी सिपाही को तत्काल बर्खास्त करें और पूरे मामले की जांच करें और धर्मांतरण जैसे गंभीर विषय को संज्ञान में लेते हुए त्वरित कार्यवाही की जाए, मेरा यह मानना है की धर्मांतरण करवाने वाला कोई भी हो पर यदि वह पुलिस विभाग से है तो मामला और भी ज्यादा गंभीर हो जाता है फिर हम न्याय की उम्मीद किससे करें?

धर्मांतरण कराने वाला पुलिसकर्मी नाबालिक बच्चों को भी साथ लेकर पहुंचता है धर्मांतरण कराने

एमसीबी जिले में धर्मांतरण कराने वाला पुलिसकर्मी अपने साथ नाबालिक छात्रों को लेकर जाता है,पुलिसकर्मी नाबालिक छात्रों के साथ उनके परिचितों के घर पहुंचता है और अंधविश्वास का अपना आडम्बर दिखाकर लोगों को पहले भयभीत करता है फिर उन्हे धर्मांतरण के लिए प्रेरित करता है। कुल मिलाकर पुलिसकर्मी डर भय का माहौल बनाकर लोगों को धर्मांतरण के लिए उकसा रहा है और लोग भी भयभीत होकर धर्मांतरण कर रहें हैं।

वनवासी व आदिवासियों हो रहा धर्मांतरण

युवा नेता ने कहा की सरगुजा संभाग वनवासी व आदिवासियों का क्षेत्र है लगातार धड़ल्ले से हो रहे धर्मांतरण की हम सब निंदा करते है यह पूरा मामला और विषय हिंदू जागरण मंच के संयुक्त जिला कोरिया एमसीबी संयोजक आकाश दुआ ने सामने रखते हुए पुनः पुलिस अधिक्षक एमसीबी से कार्यवाही की मांग की है और मामले में दोषी पुलिस कर्मी के बर्खास्तगी की मांग की है। मामले में सबसे विचारणीय पहलू यह है की आज के युग में एक शिक्षित और नौकरी पेशा व्यक्ति जो शासकीय सेवा में है और पुलिस विभाग में कार्यरत है के द्वारा भोले भाले आदिवासी समुदाय के लोगों के बीच धर्म के नाम पर आस्था के नाम पर लोगों को बरगलाया जा रहा है और साथ ही अंधविश्वास फैलाया जा रहा है। मामले में हिंदू जागरण युवा मंच के अविभाजित कोरिया जिला संयोजक ने पुलिस अधिक्षक एमसीबी से मामले में कार्यवाही की मांग की है और उनके द्वारा मामले में कार्यवाही के लिए वीडियो साक्ष्य भी उपलब्ध कराया गया है।

शासकीय कर्मचारी ही अधिकांश मामलों में धर्मानंतरण में दिख रहें हैं सक्रिय,क्या संबंधित विभाग देगा ध्यान ?

धर्मांतरण का मामला जहां भी संज्ञान में आ रहा है सभी जगह या कहें अधिकांश मामलों में शासकीय कर्मचारियों की संलिप्तता मामले में अक्सर नजर आ रही है,ताजा मामला जो एमसीबी जिले का है यहां भी एक पुलिसकर्मी धर्मांतरण कराता नजर आ रहा है,अब क्या ऐसे मामलो में संबंधित शासकीय विभाग कर्मचारी पर कार्यवाही के लिए आगे आएगा या ऐसे कर्मचारियों को बचाने के लिए उन्हें संरक्षण प्रदान करेगा,एमसीबी जिले के धर्मांतरण मामले में पुलिसकर्मी की संलिप्तता सामने आई है वीडियो और साक्ष्य भी उपलब्ध है,ऐसे में क्या दोषी पुलिसकर्मी पर कठोर कार्यवाही पुलिस अधिक्षक करेंगे या दोषी पुलिसकर्मी को मामले में दोषमुक्त करार देकर विभाग की छवि धूमिल होने से बचाने का करेंगे प्रयास।

धर्मांतरण के लिए आसान लक्ष्य होते हैं गरीब और परेशान लोग,उन्ही का अंधविश्वास के सहारे कराया जाता है धर्मांतरण

धर्मांतरण मामले में गरीब और परेशान लोग धर्मांतरण कराने वाले लोगों का आसान लक्ष्य होते हैं और उनकी मजबूरी और उनकी परेशानी को दूर करने उन्हें अंधविश्वास के मकड़जाल में फंसाया जाता है और फिर जब वह पूरी तरह मकड़जाल में फंस जाते हैं और उन्हें अंधविश्वास के सहारे ही समस्या का समाधान नजर आने लगता है उनका अंधविश्वास के प्रति विश्वास प्रगाढ़ हो जाता है धर्मांतरण कराने वाले उनका धर्मांतरण कराते हैं और इस तरह वह अपनी मंशा में सफल हो जाते हैं।

अंधविश्वास को भी बढ़ावा दे रहें हैं धर्मांतरण कराने वाले लोग

धर्मांतरण कराने वाले लोग जो शिक्षित होते हैं उनके द्वारा लगातार अंधविश्वास का सहारा लिया जाता है धर्मांतरण के लिए। कुल मिलाकर धर्मांतरण मामले में अंधविश्वास ही धर्मांतरण कराने वालों का हथियार होता है।

आदिवासी समुदाय के लोग हैं सॉफ्ट टारगेट,क्या क्षेत्र के आदिवासी समुदाय से आने वाले विधायक मामले में लेंगे संज्ञान?

एमसीबी जिले में धर्मांतरण करा रहा पुलिसकर्मी अपने लिए आसान और सॉफ्ट टारगेट चयन करता है और आदिवासी समुदाय के भोले भाले लोगों को वह इसके लिए टारगेट करता है,वहीं मामले में यह सवाल उठता है की क्या क्षेत्र के आदिवासी समुदाय से ही आने वाले विधायक मामले में संज्ञान लेंगे और वह दोषी पुलिस कर्मी कर कार्यवाही का आदेश देंगे यह भी एक बड़ा सवाल है।

युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष बृजेश यादव के नेतृत्व में युवा कांग्रेस ने मणिपुर की घटना को लेकर पीएम का किया पुतला दहन

कुसमी,22 जुलाई 2023 (घटती घटना)।

छत्तीसगढ़ युवा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष आकाश शर्मा के निर्देशानुसार बस स्टैण्ड कुसमी में युवा कांग्रेस के जिलाध्यक्ष बृजेश यादव के नेतृत्व में युवा कांग्रेस और कांग्रेस के पदाधिकारी कार्यकर्ता एकजुट हुए और फिर नारे बाजी करते हुए मणिपुर की घटना के विरोध में प्रधानमंत्री का पुतला दहन कर विरोध प्रदर्शन किया, युवा कांग्रेस के लोगो ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया ही है की इस मामले में युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष बृजेश यादव ने पीएम के उपर आरोप लगाया है की प्रधानमंत्री ने मणिपुर पर बयान देते

हुए हमारी छत्तीसगढ़ की महिलाओं व माताओं के बारे में भी टिप्पणी की है ये प्रधानमंत्री का बहुत ही शर्मनाक बयान है मणिपुर हिंसा की आग में जल रहा है लेकिन प्रधानमंत्री का ध्यान उस ओर नहीं है केवल कांग्रेस शासित राज्यों को टारगेट कर शर्मनाक बयान दिया जा रहा है जिसे युवा कांग्रेस बिल्कुल बर्दाशत नहीं करेगी अगर प्रधानमंत्री एवं गृह मंत्री को चुनावी राज्यों से फुरसत मील पाए तो मणिपुर की ओर भी ध्यान देंने की बात कही है।वही विधानसभा अध्यक्ष दीपक बुनकर ने कहा पीएम को आने वाले विधानसभा चुनाव को देखते हुए अपनी राजनीतिक रोटियां सेकना है इसलिए उन्होंने इस प्रकार का बयान दिया है आने वाले समय में यदि पीएम छत्तीसगढ़ की महिलाओं से माफी नहीं मांगते है या फिर अपने बयान का स्पष्टीकरण नहीं देते तो आगे भी युवा कांग्रेस आंदोलन करेगा, विरोध प्रदर्शन के जरिए मणिपुर की घटना में शामिल दोषियों पर कड़ी कार्यवाही की मांग युवा कांग्रेस ने किया है ,पुतला दहन कार्यक्रम में वरिष्ठ कांग्रेस के नेता अरुण गुप्ता,नगर पंचायत अध्यक्ष गोवर्धन भगत,पीसीसी सदस्य सोनू अली,पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष विनोद राम ,मंडी अध्यक्ष बालेश्वर राम,मनान खान अध्यक्ष मजदूर कांग्रेस, बीड़ी यादव,फरीद खान, एल्डरमैन जवाहिर लकड़ा,राजीव गांधी ब्लाक अध्यक्ष ललित निकुंज,विधानसभा उपाध्यक्ष मोददसिर इराकी,युवा कांग्रेस से रामेश्वर राम,मिथलेश गुप्ता, प्रतीक सोनवानी,सुसील कुजुर,जगमोहन राम,आकाश भगत, एनएसयूआई जिला महासचिव अंकित मिंज, ब्लाक अध्यक्ष नवनीत भगत, नंदलाल, विश्वनाथ सहित अन्य लोग शामिल रहे।

कार्यालय कलेक्टर बलरामपुर-रामानुजगंज (छ0ग0)
एवं पदेन उप सचिव,छ.ग.शासन राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग

::अधिसूचना::

बलरापमुर दिनांक.13/07/2023, क्र0/6410/भू-अर्जन/2023 :: चूँकि राज्य शासन को यह समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूचि में वर्णित भूमि की भूमि की (सुर्रा-अमडण्डा मार्गपर चनान नदी पर निर्माण) सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है। अतः भूमि अर्जन, पुर्नवासन एवं पुनर्व्यस्थापन में उचित प्रतिकर और पारर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 (जिसे एतद् पश्चात अधिनियम, 2013 कहा जायेगा) की धारा 19 के तहत यह घोषित किया जाता है, कि इस भूमि का उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:-

:: अनुसूचि ::

भूमि का वर्णन:-
1.जिला - बलरामपुर-रामानुजगंज,छ0ग0
2. तहसील - बलरामपुर
3. ग्राम/नगर - सुर्रा
4. भूमि का क्षेत्रफल - 0.34 हेक्टेयर

खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)
522	0.03
521	0.03
519	0.02
518	0.03
462	0.02
515	0.01
461	0.02
465/1	0.04
465/2	0.08
480/3	0.06
योग खसरा 10	योग रकबा 0.34

2. भूमि का नक्शा(प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) अम्बिकापुर के कार्यालय में किया जा सकता है।
3. उक्त भूमि के अर्जन में किसी भी व्यक्ति का विस्थापन निहीत नही है।

भू-अर्जन अधिकारी बलरामपुर
छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार
(रिमिजियुस एक्का) कलेक्टर एवं पदेन उपं सचिव छ.ग.शासन राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग जिला:- बलरामपुर-रामानुजगंज
जी.नं.-03487/1

हाथ बंधे युवक का पेड़ पर फांसी पर लटका मिला शव

अंबिकापुर,22 जुलाई 2023 (घटती घटना)। दरिमा थाना क्षेत्र के ग्राम पंपापुर में एक युवक की लाश पेड़ पर फांसी पर लटकी हुई मिली। मृतक का हाथ बंध हुआ था। सूचना पर दरिमा पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच की। जानकारी के अनुसार 22 वर्षीय परमेश्वर सिंह पिता ईश्वर सिंह दरिमा थाना क्षेत्र के पंपापुर का रहने वाला था। इसकी लाश शनिवार को गांव में ही एक पेड़ पर फांसी पर लटका हुए मिली। पुलिस का कहना है कि घर के नैलुन रस्सी उसके हाथ में फंसाया हुआ था। पूरी तरह बंधी नहीं थी। पुलिस फिलहाल घटना को फांसी करार देते हुए आगे की कार्रवाई के लिए पीएम रिपोर्ट का इंतेजार कर ही है।

डकैती मामले में थाना रमकोला पुलिस ने 11 आरोपियों को किया गिरफ्तार

-संवाददाता-
सूरजपुर,22 जुलाई 2023 (घटती घटना)।

ग्राम बड़वार,थाना रमकोला निवासी प्रार्थी चरकू चेरवा थाना रमकोला में रिपोर्ट दर्ज कराया कि दिनांक 16/07/23 को रात 11.00 बजे घर में सो रहा था रात्रि करीब 12.30 बजे अज्ञात व्यक्ति आम पेड़ के सहारे छप्पर में चढ़कर घर के आंगन में कूदकर दरवाजा खोल कुल 7 आदमी घर के अंदर प्रवेश किए 4 आदमी घर के बाहर पहरा कर रहे थे, प्रार्थी तथा उसके तीनों बच्चों को आंगन में लाकर मारपीट करते हुए मोबाईल छिन कर जान से मारने की धमकी देते हुए हनुमान छाप सिक्का देने के लिए बाध्य करने लगे हनुमान छाप सिक्का नहीं देने पर घर का तलाशी लिए एवं चाकू सब्बल से दीवाल में कई स्थानों पर खोदकर हनुमान छाप सिक्का का तलाश किए नहीं मिलने पर प्रार्थी के तीनों लड़का लड़की को अपहरण कर जंगल में ले गए, हनुमान छाप सिक्का का मांग की नहीं देने पर प्रार्थी की लड़की को लेकर फिर घर पर आए घर का तलाशी लिए इसी बीच लड़की मौका पाकर गांव में भाग कर गई। प्रार्थी की रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपियों के विरूद्ध अपराध क्रमाक 19/23 धारा 395 ,506, 323, 364(क) भादसं. के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया। पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रेंज श्री रामगोपाल गर्ग व पुलिस अधीक्षक सूरजपुर श्री आई कल्याण एलिसेला ने वारदात को अंजाम देने वाले आरोपियों की पतासाजी कर जल्द पकड़ने के निर्देश दिए। थाना रमकोला पुलिस के द्वारा मामले की विवेचना के दौरान मुखबीर की सूचना और नई तकनीक की मदद से 11 आरोपियों को दबिश देकर पकड़ा है। पूछताछ पर आरोपियों ने वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया है जिनके निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त 3 मोटर सायकल व 1 बोलेरो वाहन जप्त कर 11 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। कार्यवाही अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शोभराज अग्रवाल के मार्गदर्शन में एसडीओपी प्रतापपुर अमोलक सिंह के नेतृत्व में हुई जिसमें थाना प्रभारी रमकोला ए.आर.मानिकपुरी,एएसआई नंद लाल सिंह, इन्द्रदेव भगत, कुन्दन राम मिंज, प्रधान आरक्षक नवीन सिंह, अजीत प्रताप सिंह, रविशंकर चौबे, अखिलेश यादव, रोबर्ट तिग्गा, ज्योतिष पटेल, नंदकिशोर राजवाड़े, तीरथ राजवाड़े, विजय राजवाड़े, हितेश्वर सारथी, युवराज यादव, महिला आरक्षक शर्मिला सिंह व सुमित्रा सक्रिय रहे।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड बलरामपुर जिला बलरामपुर (छ0ग0)

निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा एकल प्रणाली के तहत श्रेणी 'डी' एवं उपर के पंजीकृत ठेकेदारों से प्रपत्र 'ए' में केवल स्पीडपोस्ट/रजिस्टर्ड पोस्ट द्वारा आमंत्रित की जाती है तथा नियत तिथि को उपस्थित निविदाकारों या उनके प्रतिनिधियों के समक्ष खोले जावेंगे।

1.समय सारिणी :-
1. निविदा प्रपत्र हेत आवेदन देने की अंतिम तिथि - 03/08/2023 (अपरान्ह 5.30 बजे तक)
2.कोरे निविदा प्रपत्र क्रय करने की अंतिम तिथि - 04/08/2023 (अपरान्ह 5.30 बजे तक)
3.निविदा रजिस्टर्ड/स्पीड पोस्ट डाक से प्राप्त करने की अंतिम तिथि - 07/08/2023 (अपरान्ह 5.30 बजे तक)
4.निविदायें खोलने की तिथि/समय - 08/08/2023 (पूवान्ह 11.30 बजे से)

कार्य का विवरण :- Construction of Broken Platform work as per UNICEF type design at Block - Ramchandrapru, Dist-Balrampur-Ramanujganj

निविदा सूचना क्र. 41 दि. 12.07.2023 निविदा प्रपत्र का मूल्य 750.00 है।

समूह क्रमांक	विकास खण्ड	नलकूप की संख्या	अनुमानित लागत	धरोहर राशि
1	रामचन्द्रपुर	50	456350	4000

निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालीन अवधि में कार्यालय से निविदा प्रपत्र करने की अंतिम तिथि तक प्राप्त की जा सकती है।

जी.नं.-03442/1
कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड बलरामपुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा0)उदयपुर जिला-सरगुजा

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. /अ-2/2021-22

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती शशि शर्मा पति राजेश शर्मा जाति ब्राम्हण निवासी ग्राम उदयपुर द्वारा स्वयं के स्वामित्व व आधिपत्य की ग्राम झिरमिटी, तहसील उदयपुर, जिला सरगुजा स्थित भूमि खसरा क्रमांक 225/102 रकबा 0.041 हे0 भूमि को आवासीय प्रयोजन में व्यपवर्तन हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त संबंध में किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो ईश्तहार प्रकाशन के पन्द्रह दिवस के भीतर इस न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर लिखित रूप से दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात् प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 13/07/2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

सील

अनुविभागीय अधिकारी (रा.) उदयपुर,सरगुजा

भारत और बांग्लादेश के बीच रोमांचक मोड़ पर आकर तीसरा वनडे मैच टाई

–आउट होने के बाद गुस्से में आई हरमनप्रीत

मीरपुर (एजेंसी)। भारत और बांग्लादेश के बीच हुआ तीसरा वनडे मैच टाई रहा। बांग्लादेश ने भारतीय महिला टीम को 226 रन का लक्ष्य दिया था, और मेजबान टीम ने भारत को 225 पर ही रोक कर मैंच टाई कर दिया। लेकिन मैच के दौरान एक ऐसा वाक्य देखने को मिला जिसने सभी का ध्यान अपनी तरफ खींचा। दरअसल, भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने आउट होने के बाद स्टंप्स को तोड़ दिया जिसका वीडियो वायरल हो रहा है।

इसके पहले निगार सुल्ताना ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। शमीमा सुल्ताना के अर्धशतक और फरगाना हक के पहले वनडे शतक की बदौलत बांग्लादेश टीम ने निर्धारित 50 ओवरों में 225/4 के अच्छे स्कोर तक पहुंचने में सफल रही। वहीं भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने पहले पांच ओवर के अंदर शैफाली वर्मा और यास्तिका भाटिया के विकेट गंवा दिए। इसके बाद उप-कप्तान स्मृति मंधाना और हरलीन देयोल पर पूरी टीम को लक्ष्य के करीब लेने की जिम्मेदारी थी। बाएं हाथ-दाएं हाथ के संयोजन ने भारत के लिए अद्भुत काम किया क्योंकि दोनों ने 107 रनों की मजबूत साझेदारी की। जब मंधाना 59 रन पर आउट हुईं, तब भी भारत को जीत के लिए 87 रनों की जरूरत थी।

इसके बाद कप्तान हरमनप्रीत कौर नंबर 5 बल्लेबाजी करने उतरी। अनुभवी बल्लेबाज को जमने में समय लगा। वह 14 रन पर पहुंची और ऐसा लग रहा था कि वह अपनी टीम को सीरीज में जीत दिला देगी। हालांकि वह 34वें ओवर में नाहिदा अख्तर की गेंद पर एलबीडब्ल्यू आउट हो गईं। वह इस कॉल से नाराज थी। हरमनप्रीत ने अपने बल्ले से स्टंप्स को तोड़कर अंपायर को यह इशारा भी करती दिखीं कि गेंद पैड पर लगने से पहले उनके बल्ले पर लगी थी।

दिलचस्प बात यह है कि अगर गेंद बल्ले पर लगती, तब कौर को कैच आउट भी दिया जा सकता था। दूसरी ओर अगर गेंद उसकी बांह पर लगती, तब भी उसे एलबीडब्ल्यू आउट दिया जा सकता था। बांग्लादेशी प्रशंसक खुशी से झूम उठे और जब हरमनप्रीत कौर मैदान से बाहर जा रही थीं, तब उन्हें व्यंग्यात्मक ढंग से थम्स-अप दिखाते हुए देखा गया।

बांग्लादेश ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी कर किसी तरह का जोखिम नहीं उठाया जबकि फरगाना ने शानदार पारी खेली। फरगाना ने 160 गेंदों पर 107 रन बनाए जिसमें सात चौके शामिल हैं। वह पारी की अंतिम गेंद पर आउट हुई। उन्होंने अपनी इस पारी के दौरान शमीमा सुलताना (52) के साथ पहले विकेट के लिए 93 रन की साझेदारी की। यह बांग्लादेश महिला टीम का वनडे में दूसरा सर्वोच्च स्कोर है। उसने 2022 में पाकिस्तान के खिलाफ सात विकेट पर 234 रन बनाए थे।

भारत की ओर से स्नेह राणा ने 45 रन देकर दो तथा देविका वैद्य ने 42 रन देकर एक विकेट लिया। फरगाना और शमीमा ने बांग्लादेश को बहुत अच्छी शुरुआत दिलाई तथा भारतीय गेंदबाजों को 27वें ओवर तक सफलता से वंचित रखा। शमीमा के आउट होने से यह साझेदारी टूटी। उन्हें राणा ने आउट किया। शमीमा ने अपनी 78 गेंद की पारी में पांच चौके लगाए। फरगाना ने इसके बाद कप्तान निगार सुलताना (24) के साथ मिलकर पारी आगे बढ़ाई। भारतीय गेंदबाजों को सफलता नहीं मिली भले उन्होंने बहुत अधिक रन नहीं लुटाए।

भारत के खिलाफ दूसरे वनडे में 47 रन की पारी खेलने वाली फरगाना ने एक छोर संभाले रखा जिससे अन्य बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का भी मौका मिला। बांग्लादेश को जब तेजी से रन बनाने की जरूरत थी तब राणा ने 41वें ओवर में निगार सुल्ताना को आउट करके भारत को महत्वपूर्ण सफलता दिलाई। इसके एक ओवर बाद देविका ने ऋतु मोनी (02) को कप्तान हरमनप्रीत के हाथों कैच कराया। फरगाना ने 46वें ओवर में मेघना सिंह पर दो चौके लगाए। उन्होंने 48वें ओवर में अपना शतक पूरा किया। बांग्लादेश ने आखिरी 10 ओवरों में 62 रन बनाए और इस बीच तीन विकेट गंवाए।

कोरिया ओपनः सात्विक और चिराग की जोड़ी फाइनल में पहुंची

येओसु (कोरिया) (एजेंसी)। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की स्टार भारतीय जोड़ी ने शनिवार को यहां लियांग वेई केंग और वांग चांग की दुनिया की दूसरे नंबर की जोड़ी पर सीधे गेम में रोमांचक जीत के साथ कोरिया ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया।

दुनिया की तीसरे नंबर की भारतीय जोड़ी ने जिन्नम स्टेडियम में 40 मिनट तक चले मुकाबले में चीन की जोड़ी पर 21-15, 24-22 से जीत दर्ज की। केंग और चांग की जोड़ी के खिलाफ लगातार दो हार के बाद सात्विक और चिराग की यह पहली जीत थी। सात्विक और चिराग ने इस साल इंडोनेशिया सुपर 1000 और स्विस ओपन सुपर 500 खिताब जीते हैं।

फाइनल में उनके सामने इंडोनेशिया के शीर्ष वरीय फजर अल्फियान और मुहम्मद रियान अर्दियांतो या कोरिया के कांग मिन ह्युक और सियो सेउंग जे की चुनौती होगी। इस साल थाईलैंड और इंडिया ओपन जीतने वाली चीन की जोड़ी भारतीय जोड़ी के खिलाफ जीत हार के 2-0 के रिकॉर्ड के साथ मुकाबले में उतरी थी। भारतीय जोड़ी ने हालांकि इस बार अपनी योजना को शानदार तरीके से अंजाम दिया।

जून में अपने पिछले टूर्नामेंट इंडोनेशिया ओपन को जीतने वाली भारतीय जोड़ी के पास अब लगातार दो खिताब हासिल करने का मौका होगा। दोनों जोड़ियों ने खेल की आक्रामक शुरुआत की और 5-5 के स्कोर तक मुकाबला बराबरी का रहा। भारतीय जोड़ी ने इसके बाद बढ़त बनानी शुरू की और स्कोर 7-5 और फिर 14-8 हो गया। सात्विक ने अपना चिर-परिचित स्मैश लगाया लेकिन बैकलाइन के पास चिराग की गलती के कारण चीन की जोड़ी लगातार दो अंक हासिल करने में सफल रही।

चिराग और सात्विक ने मैच पर अपना दबदबा बनाते हुए स्कोर को 19-12 किया और फिर आसानी से पहला गेम जीत लिया। दूसरे गेम में भी दोनों जोड़ियों के बीच करीबी मुकाबला देखने को मिला। शुरुआत में स्कोर 2-2 और 8-8 की बराबरी पर था। चीन के खिलाड़ियों ने इसके बाद कुछ वाइड शॉट खेले जिससे भारत की बढ़त 14-9 होगी। केंग और चांग की जोड़ी ने लगातार तीन अंक जुटाये। इसके बाद दोनों जोड़ियों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली और मैच के आगे बढ़ने के साथ रोमांच बढ़ता गया। स्कोर के 18-18 और 19-19 की बराबरी पर था।

चिराग ने इसके बाद शानदार स्मैश लगाकर मैच प्वाइंट का मौका बनाया लेकिन सात्विक ने सर्विस में गड़बड़ी कर दी जिससे स्कोर 20-20 हो गया। सात्विक ने एक बार फिर भारत के लिए मैच प्वाइंट का मौका बनाया लेकिन चांग के शानदार पास से यह मौका भी निकल गया। चांग ने इसके बाद शटल को नेट पर खेलकर भारत को तीसरी बार मैच प्वाइंट का मौका दिया लेकिन केंग के शानदार प्रयास से स्कोर एक बार फिर 22-22 से बराबर हो गया। भारत ने इसके बाद चौथा मैच प्वाइंट हासिल किया और इस बार सात्विक ने कोई गलती नहीं की।

एशियाई खेलों में अपनी छाप छोड़ने के लिए तैयार हैं भूटान के तैराक

थिम्पू (भूटान) (एजेंसी)। प्रतिष्ठित एशियाई खेलों के आगमन के साथ भूटानी खेल समुदाय और अधिक समृद्ध हो रहा है। भूटान एक्वेटिक्स फेडरेशन के सांगे तेनजनि और किनले लेंडुप दो अनुभवी तैराक हैं। भूटान लाइव के अनुसार ये उत्कृष्ट एथलीट सितंबर में चीन में होने वाले बहुप्रतीक्षित खेलों में अपने देश के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे। सांगे तेनजनि 100 और 200 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धाओं में अपने कौशल का प्रदर्शन करेंगे और किनले लेंडुप 200 और 100 मीटर व्यक्तिगत मेडले प्रतियोगिताओं में प्रतिस्पर्धा करेंगे। दोनों तैराक सबसे पहले वैश्विक तैराकी चैंपियनशिप में भाग लेंगे, जो 23 से 28 जुलाई तक जापान में आयोजित की जाएगी। इससे गारंटी होगी कि वे एशियाई खेलों के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। भूटान लाइव के अनुसार यह अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट अत्यधिक प्रतिस्पर्धी एशियाई खेलों में उनके प्रदर्शन के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। हाल के वर्षों में महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में सांगे तेनजनि और किनले लेंडुप जैसे एथलीटों के उत्कृष्ट प्रदर्शन के कारण तैराकी भूटान में काफी लोकप्रिय हो गई है। यह तथ्य कि उन्हें प्रसिद्ध एशियाई खेलों में भूटान का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना गया, तैराकी में भूटानी बच्चों की बढ़ती प्रतिबद्धता और उत्साह का प्रमाण है।

डब्ल्यूएफआई के चुनाव से बृजभूषण आउट, खेल संहिता के अनुसार अयोग्य घोषित

–भारतीय कुश्ती महासंघ के बहुप्रतीक्षित चुनाव 12 अगस्त को कराए जाएंगे, बेटे को उतारने की उम्मीद

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के बहुप्रतीक्षित चुनाव 12 अगस्त को होने जा रहे हैं। इसमें बृजभूषण ?सिंह को अयोग्य घोषित किया जा चुका है। बदले में वह अपने बेटे करण को चुनाव में उतारने के मूड में हैं। हालांकि चुनाव आचार संहिता के मुताबिक महाराष्ट्र राज्य चुनाव प्रक्रिया का हिस्सा नहीं होगा क्योंकि निर्वाचन अधिकारी न्यायमूर्ति एमएम कुमार ने दोनों प्रतिद्वंद्वी गुटों को भागीदारी के लिए अयोग्य करार दिया। तदर्थ समिति ने इससे पहले 6 जुलाई को चुनाव निर्धारित किए थे, लेकिन महाराष्ट्र, हरियाणा, तेलंगाना, राजस्थान और हिमाचल प्रदेश के संबंधित राज्य निकायों द्वारा सुनवाई के लिए संपर्क करने के बाद उसे 11 जुलाई को चुनाव पुनर्निर्धारित करने के लिए मजबूर होना पड़ा। गुवाहाटी उच्च न्यायालय ने असम कुश्ती संघ (एडब्ल्यूए) की याचिका के बाद चुनावों पर रोक लगा दी थी जिसके कारण ये चुनाव 11 जुलाई को भी नहीं हो सका था। एडब्ल्यूए ने चुनाव प्रक्रिया में प्रतिनिधित्व के अधिकार का आग्रह किया था। इस तरह से उच्चतम न्यायालय ने डब्ल्यूएफआई के चुनाव पर गुवाहाटी उच्च न्यायालय की ओर से लगाई गई रोक हटाते हुए संबंधित चुनाव का मार्ग मंगलवार को प्रशस्त कर दिया था। निर्वाचक मंडल में अब 24 राज्य निकायों से मतदान के अधिकार वाले 48 सदस्य होंगे। पदों के लिए नामांकन एक अगस्त को दाखिल किए जाएंगे। नामांकन की जांच दो अगस्त को की जाएगी और उम्मीदवारों की अंतिम सूची सात अगस्त को प्रकाशित की जाएगी। अगर चुनाव की आवश्यकता हुई तो मतदान 12 अगस्त को आयोजित किया जाएगा। डब्ल्यूएफआई चुनावों से जुड़े पांच विवादों में से चार डब्ल्यूएफआई की पिछली समिति के पक्ष में रहा। न्यायमूर्ति एमएम कुमार ने घोषणा की कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी सुप्रीमो शरद पवार और रामदास तडस के नेतृत्व वाले महाराष्ट्र के दो प्रतिद्वंद्वी गुट निर्वाचक मंडल के गठन के लिए अपने किसी भी सदस्य को नामित करने के लिए अयोग्य हैं।

वेस्टइंडीज के विकेटकीपर जोशुआ की मां कोहली से मिलकर रो पड़ीं

ऑफ स्पेन। वेस्टइंडीज के विकेटकीपर जोशुआ दा सिल्वा की मां विराट कोहली से मिलकर रो पड़ीं। जानकारी के अनुसार वह जैसे ही कोहली से मिली तो उसके बाद वह अपने आंसू नहीं रोक पाईं। गौरतलब है कि जोशुआ की मां कोहली की बहुत बड़ी फैन है और कोहली के लिए मैच देखने आई थी। बता दें कि त्रिनिदाद के पोर्ट ऑफ स्पेन स्थित क्वींस पार्क ओवल मैदान में शुरुआती दिन के जोशुआ और कोहली के बीच स्टंप माइक चैट वायरल हुई थी जिसमें जोशुआ ने कोहली को बताया कि उनकी मां उनकी बहुत बड़ी प्रशंसक हैं और वह उन्हें खेलते हुए देखने के लिए ही कार्यक्रम स्थल पर आई थीं। जोशुआ ने पहले दिन कहा था, मेरी मां ने मुझे फोन किया और बताया कि वह विराट कोहली के लिए मैच देखने आ रही हैं, मुझे यकीन नहीं हुआ। बता दें कि वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरा टेस्ट मैच भारत के लिए विराट कोहली की 500वीं अंतरराष्ट्रीय उपस्थिति है, जहां उन्होंने 121 रनों की अपनी पारी के दौरान ऐतिहासिक शतक बनाया जिससे भारत को पहली पारी में एक विशाल स्कोर बनाने में मदद मिली। वेस्टइंडीज स्टार की मां शुक्रवार को कोहली को विदेशी टेस्ट शतक के लंबे सूखे को खत्म करते देखने के लिए स्टेडियम में मौजूद थीं, क्योंकि पूर्व भारतीय कप्तान ने इस प्रारूप में अपने करियर का 29वां शतक और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 76वां शतक लगाया था। 121 रनों की पारी की बदौलत भारत ने पहली पारी 438 रनों पर समाप्त की, इससे पहले एक विकेट लेने के बाद दूसरे दिन की समाप्ति तक 352 रनों की बढ़त बनाए रखी। बाद में दूसरे दिन जोशुआ की मां टीम इंडिया की बस के पास कोहली से मिलीं और उन्हें गले लगाया और रोने लगीं।

एमर्जिंग एशिया कपः आज भारत-पाक के बीच होगा फाइनल

कोलंबो (एजेंसी)। अभी तक शानदार प्रदर्शन करने वाली भारत ए टीम अपने चिर प्रतिद्वंदी पाकिस्तान ए के खिलाफ रविवार को एमर्जिंग एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल में खिताब जीतने उतरेगी। भारत और पाकिस्तान के बीच मैचों में किसी को जीत का प्रबल दावेदार कहना मुश्किल होता है, लेकिन भारतीय टीम की फॉर्म को देखकर उस मैच में जीत का दावेदार माना जा रहा है।

भारतीय टीम मैच में इसकारण भी बढ़े मनोबल के साथ उतरेगी, क्योंकि उसने लीग चरण में पाकिस्तान को हराया था। भारतीय खिलाड़ियों को हालांकि अति आत्मविश्वास से बचना होगा जिसके कारण बांग्लादेश के खिलाफ सेमीफाइनल में एक वक्त टीम मुश्किल में दिख रही थी। बांग्लादेश के खिलाफ मैच में भारतीय टीम 211 रन पर आउट हो गई थी।

बांग्लादेश के सलामी बल्लेबाजों ने टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई तथा 18वें ओवर तक उसका स्कोर एक विकेट पर 94 रन था। इसके बाद भारतीय स्पिनरों निशांत सिंधू और मानव सुतार ने शानदार गेंदबाजी करके बांग्लादेश को 160 रन पर रोक दिया। भारत की जीत में कप्तान यश धुल की 66 रन की महत्वपूर्ण पारी और शानदार क्षेत्ररक्षण का अहम योगदान रहा।

भारत के अधिकतर खिलाड़ियों ने अभी तक योगदान दिया है और वह पाकिस्तान के खिलाफ अपने प्रदर्शन को जारी रखने में कोई कसर नहीं छोड़ने वाले हैं। भारतीय टीम को हालांकि पाकिस्तान को किसी भी तरह से कम करके नहीं आंकना चाहिए क्योंकि उसकी टीम में कई खिलाड़ी है, जिन्हें अंतरराष्ट्रीय मैच और पाकिस्तान सुपर लीग में खेलने का अनुभव है। ऑल राउंडर मोहम्मद वसीम, कप्तान मोहम्मद हारिस, सलामी बल्लेबाज साहिबजादा

फरहान और तेज गेंदबाज अरशद इकबाल को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने का अनुभव है जबकि अमाद बट और ओमार युसूफ पाकिस्तान सुपर लीग में अपनी योग्यता साबित कर चुके हैं।

मोनाको डायमंड लीग में छठे स्थान पर रहे प्रवीण चित्रावेल

मोनाको - त्रिकूद में राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक प्रवीण चित्रावेल मोनाको डायमंड लीग एथलेटिक्स प्रतियोगिता में आशानुरूप प्रदर्शन नहीं कर पाए और छठे स्थान पर रहे। चित्रावेल ने शुक्रवार को अपने पांचवें प्रयास में 16.59 मीटर की कूद लगाई, जो उनका सर्वश्रेष्ठ प्रयास था। चित्रावेल का राष्ट्रीय रिकॉर्ड 17.37 मीटर का है। असल में यह उनका सत्र का सबसे खराब प्रदर्शन है। इससे पहले इस सत्र में उन्होंने तीन प्रतियोगिताओं में 17 मीटर से अधिक की कूद लगाई थी। बुर्किना फासो के ह्यूजेस फैब्रिस जैंगो ने 17.70 मीटर की कूद के साथ प्रतियोगिता जीती, जबकि विश्व अंडर-20 चैंपियन जमैका के जेडन हिबर्ट (17.66 मीटर) और अल्जीरिया के यासर मोहम्मद त्रिकी (17.32 मीटर) क्रमश: दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे।

एशेज श्रृंखलाः आस्ट्रेलियाई के चार विकेट पर 113 रन, इंग्लैंड से 162 रन पीछे

मैनचेस्टर (एजेंसी)। (ईएमएस)। विकेट कीपर बल्लेबाज जॉनी बेयरस्टो (नाबाद 99 रन) अपने जोड़ीदार के रन आउट होने के कारण शतक से महज एक रन से चूक गए, जिससे इंग्लैंड ने चौथे टेस्ट के तीसरे दिन पहली पारी 592 रन पर समाप्त कर आस्ट्रेलिया के खिलाफ 275 रन की बढ़त हासिल की। जवाब में खेलने उतरी आस्ट्रेलियाई टीम ने तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक चार विकेट खोकर 113 रन बना लिए हैं। वह अभी भी इंग्लैंड से 162 रन पीछे है। इसके पहले आस्ट्रेलिया की पहली पारी 317 रन पर सिमट गई थी। आस्ट्रेलियाई सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा (18 रन) तेज गेंदबाज मार्क वुड की गेंद पर बल्ला छुआकर बेयरस्टो को मैच का चौथा कैच दे बैठे। डेविड वॉर्नर 17 और मार्नस लाबुशेन चार रन बनाकर खेल रहे थे। इंग्लैंड ने सुबह चार विकेट पर 384 रन से आगे खेलना शुरु किया तब उसकी बढ़त 67 रन की थी।

टीम ने पारी के अंत तक दबदबा बनाए रखा जिसमें बेयरस्टो और जेम्स एंडरसन ने 10वें विकेट के लिए 66 रन की साझेदारी निभाई। इसमें से एंडरसन ने केवल पांच

रन बनाए और कैमरन ग्रीन (64 रन देकर दो विकेट) की गेंद पर पगबाधा आउट हो गए। इससे बेयरस्टो 99 रन (10 चौके और चार छक्के) पर नाबाद रहे जिसके लिए उन्होंने 81 गेंद खेली। इंग्लैंड ने लंच तक आठ विकेट पर 506 रन बनाकर 189 रन की बढ़त बना ली थी। इंग्लैंड को एशेज श्रृंखला को जीवंत रखने के लिए इस टेस्ट में जीत दर्ज करना जरूरी है। आस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस (129 रन देकर एक विकेट) ने शुक्रवार को पहला विकेट अपने समकक्ष बेन स्टोक्स (51 रन) के रूप में लिया जिससे इंग्लैंड का स्कोर पांच विकेट पर 437 रन हो गया, तब टीम की बढ़त 120 रन की हो गई थी। लाड्र्स और हेडिंग्ले में क्रमश- 155 रन और 80 रन की पारी खेलने वाले स्टोक्स की एक और महत्वपूर्ण पारी बल्ले का अंदरूनी किनारा लगाने से समाप्त हुई।

मिशेल स्टार्क (137 रन देकर दो विकेट) अजीब तरह से कंधे के बल गिरने से बाद गुरुवार को मैदान छोड़कर चले गये थे। उन्होंने शुक्रवार को 91वें ओवर में नयी गेंद ली। इसके बाद तुरंत ही रन गति धीमी हो गई क्योंकि स्टार्क के इस ओवर में केवल एक ही रन बना। अगले ओवर में जोश हेजलवुड की गेंद पर इंग्लैंड के खिलाड़ी दो रन ही बना सके जिसमें उभरते हुए स्टार हैरी ब्रुक का विकेट भी शामिल रहा जिन्होंने 61 रन बनाए। स्टार्क ने बाउंड्री पर उनका विकेट लपका। इस समय इंग्लैंड की बढ़त 157 रन की हो गयी थी। स्टार्क ने फिर 93वें ओवर में 12 रन दिए और अगले ही ओवर में क्रिस वोक्स को हेजलवुड ने शून्य पर पवेलियन भेज दिया।

विंबलडन चैंपियन अल्करेज की होपमैन कप में संघर्षपूर्ण जीत

नीस - विंबलडन चैंपियन बनने के बाद पहली बार कोर्ट पर उतरे कार्लोस अल्करेज को होपमैन कप टेनिस टूर्नामेंट में बेल्जियम के डेविड गॉफिन पर जीत दर्ज करने के लिए कड़ा संघर्ष करना पड़ा। स्पेन के विश्व में शीर्ष रैंकिंग के खिलाड़ी ने यह मैच 4-6, 6-4, 10-8 से जीता। उन्होंने पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करके जीत दर्ज की। दोनों खिलाड़ियों ने इस मैच में दो दो बार अपनी सर्विस गंवाई। अल्करेज ने पिछले रविवार को 23 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन नोवाक जोकोविच को पांच सेट तक चले मैच में पराजित करके पहली बार विंबलडन का खिताब जीता था।

कोहली युवाओं के लिए आदर्श खिलाड़ी, वह सबसे फिट खिलाड़ियों में से एक है : पाकिस्तानी क्रिकेटर

स्पोर्ट्स डैस्क (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व अंतर्राष्ट्रीय बल्लेबाज सलमान बट ने भारतीय स्टार विराट कोहली की सराहना की और कहा कि वह उन युवाओं के लिए एक आदर्श हैं, जो अंतर्राष्ट्रीय सर्किट में अपना नाम बनाना चाहते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि 34 वर्षीय खिलाड़ी इस समय यकीनन दुनिया का सबसे फिट क्रिकेटर है और इस प्रकार वह अपने करियर को लंबा करने की योजना बना सकता है।

गौरतलब है कि कोहली फिलहाल वेस्टइंडीज के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज में भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। पहले मैच में, कोहली शतक बनाने से चूक गए, लेकिन दूसरे में वह टिकने में कामयाब रहे और आखिरकार चार साल से अधिक समय के बाद घर से बाहर टेस्ट शतक लगाने में कामयाब रहे। इस बीच, बट ने दबाव में प्रदर्शन करने की उनकी क्षमता की सराहना की और उन्हें हर आगामी क्रिकेटर के लिए एक शानदार उदाहरण बताया।

बट ने अपने यूट्यूब चैनल पर बात करते हुए कहा, ÷विराट कोहली की फिटनेस को देखते हुए वह खेलना जारी रख सकते हैं। वह रन बना रहा है और वह न केवल फिट है बल्कि दुनिया के सबसे फिट खिलाड़ियों में से एक है। वह सबसे फिट क्रिकेटर हो सकते हैं। वह ऐसे व्यक्ति हैं जो अपने आप में एक संस्था हैं। उनका करियर युवाओं के लिए एक रोडमैप है। वह एक शानदार उदाहरण हैं।'

ऐसा लगता है जैसे भारत एक छोटी सी टीम के खिलाफ खेल रहा है

पहले मैच में शानदार जीत के बाद भारत ने वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज के दूसरे और आखिरी टेस्ट में एक बार फिर बल्ले से अपना दबदबा कायम कर लिया। कप्तान रोहित शर्मा और यशस्वी जयसवाल ने टीम को बेहतरीन शुरुआत दी, बाद में कोहली और जडेजा ने मामला अपने हाथ में लिया और टीम को पहली पारी में 438 रन बनाने में मदद की।

टीम के प्रदर्शन के बारे में बात करते हुए बट ने कहा कि उन्हें ऐसा लगता है जैसे भारत एक छोटी टीम के खिलाफ खेल रहा है। इसके अलावा उन्होंने यह भी कहा कि मेजबान टीम केवल तभी कुछ प्रतिस्पर्धा दे सकती है जब वे अपनी पहली पारी में लगभग 350-375 रन बनाने में सफल होते हैं। बट ने कहा, ÷अब तक यह केवल एकतरफा प्रभुत्व रहा है। ऐसा लग रहा है मानो भारत किसी छोटी सी टीम के खिलाफ खेल रहा हो। अगर वेस्टइंडीज किसी तरह 350 या 375 रन तक पहुंचने में कामयाब हो जाता है, तभी हमें किसी तरह का मुकाबला देखने को मिल सकता है। हालांकि, भारत एक बेहतर गेंदबाजी पक्ष है। वेस्टइंडीज के पास प्रतिभा है, लेकिन बल्लेबाज कभी-कभी असाधारण शॉट खेलते हैं, जिससे उनका पतन होता है।'

विश्व महिला शतरंज चैंपियनशिप – अब आखिरी मैच पर सब कुछ निर्भर

शंघाई , चीन । विश्व महिला शतरंज चैंपियनशिप मैच का 11वां गेम ड्रॉ पर समाप्त होने के बाद दोनों खिलाड़ी मौजूदा महिला विश्व चैंपियन जू वेनजुन और उनकी चैलेंजर लेई टिंगजी 5.5 - 5.5 से बराबरी पर हैं। अब सब कुछ मैच के अंतिम, 12वें गेम पर निर्भर है . एक जटिल और तनावपूर्ण खेल में लेई टिंगजी सफ़ेद मोहरो से अपना आखिरी मैच महिला विश्व चैंपियन जू वेनजुन के खिलाफ दबाव तो बनाया पर जीत दर्ज नहीं कर सकी । इटेलिअन ओपनिंग में 48 चालों में वजीर और विपरीत रंग के ऊंट की स्थिति में बाजी बराबरी पर खत्म हुई ।

भविष्य और उम्मीद की बात

भेंट मुलाकात युवाओं के साथ

संभाग स्तरीय युवा संवाद

रायपुर संभाग से शुभारंभ

सुबह 10 बजे, रविवार, 23 जुलाई 2023
सरदार बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम, रायपुर

युवाओं के अनुभव सुनने और
नवा छत्तीसगढ़ के निर्माण में युवाओं
की भागीदारी पर चर्चा के लिए
अब युवाओं से मिलेंगे
मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल

संवाद 37823/67

Visit us : ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO DPRChhattisgarh DPRChhattisgarh www.dprCg.gov.in

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)